



इंफाल/गुवाहाटी, एजेंसी। मणिपुर में कुकी और नंगा समुदाय में तनाव के बीच पहाड़ी इलाकों में जनजीवन प्रभावित है। 7 दिन से कई जगह स्कूल और बाजार बंद हैं।

मणिपुर में हिंसा के बीच 7 दिन से स्कूल-बाजार बंद

चीनी 450रु तक बिक रही; 4 दिन में 6 हत्याएं, इस साल अब तक 40 मौतें

7 पहाड़ी जिलों से संपर्क प्रभावित है। सड़कों और हाईवे पर नाकेबंदी के कारण सामान्य आवाजाही मुश्किल हो गई है। हिंसा के चलते ज़रूरी सामान की सप्लाई भी प्रभावित हुई है। कांगपोकपी के कुछ गांवों में चीनी 400-450 किलो तक बिक रही है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, लोग डर के कारण घरों से बाहर नहीं निकल रहे हैं। खेतों में जाना और मेडिकल इमरजेंसी में अस्पताल या एयरपोर्ट

पहुंचना भी मुश्किल हो गया है। इधर, पिछले 4 दिनों में 4 महिलाओं समेत 6 कुकी लोगों की हत्या का आरोप है। कुकी संगठनों ने इन हत्याओं के लिए नंगा समुदाय को जिम्मेदार ठहराया है। स्थानीय संगठनों के मुताबिक, फरवरी में शुरू हुई हिंसा के बाद इस साल अब तक 40 लोगों की मौत हो चुकी है। सड़कों पर नंगा समुदाय की नाकेबंदी, बिना सुरक्षा लोग नहीं जा पा रहे

उखरल, सेनापति, तामेंगलोग और चंदेल नंगा बहुल जिले हैं, जबकि चूराचांदपुर, कांगपोकपी और फिरजॉल कुकी बहुल हैं।

कांगपोकपी समेत 4 जिलों में दोनों समुदायों के लोग रहते हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, हाईवे और दूसरी प्रमुख सड़कों पर कई जगह नंगा समुदाय के लोगों ने नाकेबंदी कर रखी है। चेक पॉइंट बनाए गए हैं। बिना सुरक्षा एस्कॉर्ट के निजी वाहन चलाना मुश्किल है। मेडिकल इमरजेंसी के लिए भी इजाजत लेनी पड़ रही

कांगपोकपी की 53 साल के मागरिट ने बताया कि जिला मुख्यालय में होने की वजह से उन्हें ज़रूरी सामान किसी तरह मिल रहा है,

लेकिन गांवों में हालात ज्यादा खराब हैं। कुछ जगहों पर एक किलो चीनी 7400-450 में मिल रही है। 35 साल के डेविड ने बताया कि लोग खेतों में भी नहीं जा पा रहे हैं। उन्हें डर है कि कहीं से भी अचानक गोली चल सकती है। उनके मुताबिक, मेडिकल इमरजेंसी या एयरपोर्ट जाने के लिए भी कई जगह नंगा समुदाय के सब-डिविजनल ऑफिसर की मंजूरी लेनी पड़ रही है। चावांगकिनिंग लियांगमाई गांव के कई घरों पर फायरिंग भी की गई। दीवारों पर बुलेट्स के निशान देखे जा सकते हैं।

चावांगकिनिंग में घर जलाए, दीवारों पर गोलियों के निशान-बुधवार को कांगपोकपी के चावांगकिनिंग लियांगमाई गांव में कई घरों में आग लगाए जाने की घटना सामने आई। कुछ घरों पर फायरिंग भी हुई। दीवारों पर गोलियों के निशान मिले हैं। इससे पहले मंगलवार रात करीब 10:30 बजे सदिंध हथियारबंद उग्रवादियों ने चावांगकिनिंग नागा गांव पर हमला किया था। अधिकारियों के मुताबिक, बड़ी संख्या में आधुनिक हथियारों से लैस उग्रवादियों ने गांव में फायरिंग की।

स्वरा भास्कर को बाबरी की जगह राम मंदिर बनने का दुख मुस्लिम दोस्तों से माफी मांगी



मुंबई, एजेंसी। एक्टर स्वरा भास्कर ने विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जब साल 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने राम जन्मभूमि विवाद पर फैसला सुनाया था तब उन्हें हिंदू होने के नाते बहुत शर्मिंदगी महसूस हुई थी।

उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने फैसले के आने के तुरंत बाद आमिर खान, शाहरुख खान और सलमान खान समेत अपने सभी मुस्लिम दोस्तों से माफी मांगी थी।

स्वरा भास्कर का पूरा बयान: राम जन्मभूमि विवाद के बारे में बात करते हुए स्वरा ने द मिडनाइट आवर पॉडकास्ट में कहा कि वह इस फैसले से परेशान थीं। उन्हें यह फैसला सही नहीं लगा और उन्हें लगा कि उनके मुस्लिम दोस्तों को पता होना चाहिए कि वह इस फैसले से सहमत नहीं हैं। इसलिए उन्होंने फैसले के तुरंत बाद आमिर खान, शाहरुख खान और सलमान खान समेत अपने सभी मुस्लिम दोस्तों से संपर्क किया और उनसे माफी मांगी।

स्वरा ने शाहरुख-सलमान को क्या मैसेज भेजा? स्वरा ने सभी मुस्लिम दोस्तों को मैसेज में लिखा, 'एक हिंदू होने के नाते, मैं बस इतना कहना चाहती हूँ कि मुझे सच में बहुत खेद है, मुझे बहुत शर्मिंदगी महसूस हो रही है और मैं इस फैसले से सहमत नहीं हूँ।'

पूरे कनाडा पर राज करेंगे... लॉरेंस-गोल्डी गैंग की चिट्ठी से मचा हड़कंप

चंडीगढ़, एजेंसी। भारत की जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिस्नोई के सिंडिकेट ने कनाडा में अपनी पकड़ और प्रभाव को लेकर सीधे वहां की पुलिस, सेना और रक्षा प्रतिष्ठान को चुनौती देने का दावा किया है। कनाडा के अर्बोर्ट्सफोर्ड में सामने आई कथित चिट्ठी में गैंग की ओर से दावा किया गया है कि उसके पांच हजार से अधिक सदस्य कनाडा में सक्रिय हैं और पैसे के लिए किसी पर भी गोली चला सकते हैं। चिट्ठी में पुलिस को चेतावनी दी गई है कि अगर उसकी गतिविधियों में हस्तक्षेप किया गया तो पुलिस स्टेशनों पर फायरिंग हो सकती है। चिट्ठी की शुरुआत पूरे कनाडा को जय श्रीराम से की गई है। इसमें लॉरेंस गैंग और गोल्डी ब्राड के नाम का उल्लेख करते हुए कनाडा में मौजूद अपने साथियों को संदेश दिया गया है।

कथित पत्र में लिखा है कि गैंग को कनाडा पर राज करने से कोई नहीं रोक सकता। साथ ही वहां सक्रिय हेल्स एंजल को जय श्रीराम से की गई है। इसमें लॉरेंस गैंग और गोल्डी ब्राड के नाम का उल्लेख करते हुए कनाडा में मौजूद अपने साथियों को संदेश दिया गया है।

1000 डॉलर में गोली चलाने का दावा

कथित पत्र में लिखा है कि गैंग के उसके पास कनाडा में पांच हजार से ज्यादा सदस्य हैं। इनमें से बड़ी संख्या में लोग महज एक हजार डॉलर के बदले किसी भी व्यक्ति पर गोली चलाने के लिए तैयार हैं। कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सीधे चेतावनी देते हुए कहा गया है कि गैंग की गतिविधियों से दूर रहे, अन्यथा अगले दिन किसी पुलिस स्टेशन पर गोलीबारी की खबर आ सकती है। पत्र में यह भी दावा किया गया है कि गैंग के पास कनाडाई पुलिस से ज्यादा हथियार हैं। पत्र में कनाडा में रहने वाले गोरों लोगों के खिलाफ नस्लीय टिप्पणी भी की गई है और उन्हें देश छोड़ने की धमकी दी गई है।

तमिलनाडु में हिंदी पढ़ाने से नहीं रोक सकते:दिल्ली से अलग-थलग नहीं चेन्नई,राज्य सरकार भाषा पर अपनी सोच

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को तमिलनाडु सरकार से कहा कि हिंदी को लेकर आपको अपनी सोच बदलने की ज़रूरत है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस अंगमस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि ऐसा नहीं हो सकता कि तमिलनाडु की धरती पर हिंदी नहीं पढ़ाई जाएगी। कोर्ट ने चेन्नई और



चुनौती दी है, जिसमें हर जिले में नवोदय विद्यालय शुरू करने का आदेश दिया गया था। राज्य सरकार का कहना है कि नवोदय विद्यालयों की व्यवस्था उसकी शिक्षा और भाषा नीति से मेल नहीं खाती।

सुप्रीम कोर्ट बोला

नवोदय विद्यालयों की स्थापना को लेकर राज्य और केंद्र में विवाद

- पूरा मामला तमिलनाडु में नवोदय विद्यालय खोलने को लेकर है। ये केंद्र सरकार की मदद से चलने वाले आवासीय स्कूल हैं। यहां लड़के और लड़कियां दोनों पढ़ते हैं और छात्रों के रहने की भी व्यवस्था होती है।
- इन स्कूलों को नवोदय विद्यालय संमति चलाती है। यह केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के तहत काम करती है। राज्य सरकार लंबे समय से इन स्कूलों की स्थापना का विरोध करती रही है।
- राज्य की मुख्य आपत्ति स्कूलों में पढ़ाई जाने वाली

भाषाओं को लेकर है। नवोदय विद्यालयों में तीन भाषा की व्यवस्था है, जिसमें हिंदी भी शामिल है। वही, तमिलनाडु में दो भाषा की नीति लागू है। यहां तमिल और अंग्रेजी पढ़ाई जाती है। राज्य सरकार का कहना है कि नवोदय विद्यालयों की भाषा व्यवस्था उसकी नीति से अलग है। राज्य सरकार का यह भी कहना है कि शिक्षा से जुड़े ऐसे नीतिगत फैसलों में राज्य के अधिकार का ध्यान रखा जाना चाहिए।

दिशा सालियान मौत मामले में आदित्य ठाकरे को 500 करोड़ रुपये का नोटिस, पिता ने मांगा हर्जाना

मुंबई, एजेंसी। दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में 500 करोड़ रुपये का कानूनी नोटिस भेजा गया है। दिशा के पिता सतीश सालियान ने शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे और एनसीपी नेता अनिल देशमुख से 500 करोड़ रुपये के हर्जाने की मांग की है। नोटिस में आरोप लगाया गया है कि दोनों नेताओं ने सतीश सालियान की न्याय की लड़ाई को राजनीति से प्रेरित दिखाने की कोशिश की। 28 साल की दिशा सालियान की मौत 8 जून, 2020 को मुंबई के मलाड इलाके में एक ऊंची रिहायशी इमारत से गिरने के कारण हुई थी। कानूनी नोटिस में कहा गया है, ऊपर बताए गए आरोप झूठे, बेवजियाद, गैर-जिम्मेदाराना और मानहानि करने वाले हैं। ये आरोप बिना किसी भरोसेमंद सबूत या आधार के और सिर्फ आपके गलत और छिपे हुए मकसदों को पूरा करने के लिए लगाए गए हैं। ये आरोप भरे मुवाकिल (सतीश सालियान) की ईमानदारी, विश्वसनीयता और नेकनीयति पर सीधा और गंभीर सवाल उठाते हैं। इसमें एक दुखी पिता को एक ऐसे व्यक्ति के तौर पर दिखाया गया है जो गलत, दुर्भावनापूर्ण और राजनीतिक मकसद से न्यायिक प्रक्रिया का गलत इस्तेमाल कर रहा है।

ठाकरे को क्लीन चिट देने का दावा गलत :नोटिस में ठाकरे पर यह आरोप भी लगाया गया है कि उन्होंने गलत तरीके से यह दावा किया कि सीबीआई ने दिशा सालियान मामले की जांच कर ली है और उन्हें क्लीन चिट दे दी है। कहा जाता है कि ठाकरे ने दावा किया था कि सालियान का इस्तेमाल उन्हें परेशान करने के लिए एक हथियार के तौर पर किया जा रहा था। अनिल देशमुख ने इस दावे का समर्थन किया था।

तिश्वनाथ धाम में पीएम मोदी की दीर्घायु के लिए पूजन, योगी-राजनाथ समेत दिग्गज रहे मौजूद



वाराणसी, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर उनकी लंबी आयु और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की गई। इस विशेष अवसर पर कई प्रमुख हस्तियां वाराणसी पहुंचीं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान समेत दिग्गजों ने श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में विधि-विधान से पूजन किए। पूजन कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी भी उपस्थित रहे। सभी नेताओं ने मिलकर प्रधानमंत्री के दीर्घायु जीवन के लिए प्रार्थना की। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में आयोजित यह कार्यक्रम भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। पूजन के बाद सभी नेताओं ने काशी विश्वनाथ कॉरिडोर परिसर का दौरा किया। उन्होंने वहां स्वच्छता



ईवासा, एजेंसी। झारखंड और पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती इलाकों में करीब चार दशकों से माओवादी गतिविधियों का संचालन कर रहे भाकपा (माओवादी) के शीर्ष नेता असोम मंडल उर्फ अकाश उर्फ तिमिर उर्फ मनोज को कोलकाता पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (स्वच्छ) ने गिरफ्तार कर लिया है। असोम मंडल पर राज्य सरकार और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा एक करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, उसकी गिरफ्तारी पूर्व मेदिनीपुर जिले के पोटाशपुर इलाके से हुई है।

कार्रवाई के दौरान उसके पास से दो बैग बरामद किए गए हैं, जिनमें माओवादी साहित्य, प्रचार पुस्तिकाएं और कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण मौजूद थे। पश्चिम मेदिनीपुर जिले के चंद्रकोना थाना अंतर्गत फुलचक गांव का निवासी 64 वर्षीय असोम मंडल अपने छात्र जीवन के दौरान ही कट्टर वामपंथी विचारधारा के संपर्क में आया था।

जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने आरक्षण के खिलाफ प्रदर्शन रोकने पर दिल्ली पुलिस को लगा दी फटकार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने आरक्षण के खिलाफ प्रदर्शन के लिए दिल्ली में इजाजत नहीं देने पर पुलिस को फटकार लगा दी है। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने क्षत्रिय करणी सेना की ओर से दायर की गई याचिका पर सुनवाई करते हुए सवाल उठाया कि इस तरह ब्लैक बैन (पूर्ण प्रतिबंध) कैसे किया जा सकता है। करणी सेना की ओर से पेश हुए अधिवक्ता रोशन धनाई ने अदालत को बताया कि दो याचिकाएं उनकी ओर से दायर की गई हैं। पहली मेटा, फेसबुक, इंस्टाग्राम और वॉट्सएप की ओर से अकाउंट सस्पेंड किए जाने को लेकर है। उन्होंने कहा कि बाद में इंस्टाग्राम अकाउंट को बहाल कर दिया गया। लेकिन फेसबुक अकाउंट पर लाइव वीडियो और

कूछ शर्तों के साथ देनी चाहिए थी अनुमति मना कैसे किया

जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा इस पर जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने दिल्ली पुलिस से पूछा, आपने खारिज कर दिया? क्यों? क्या इस तरह का आदेश दिया जा सकता है? बस इसलिए कि आपको आशंका है कि कुछ लोग आ सकते हैं? आप ऐसा आदेश कैसे दे सकते हैं? जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने आगे कहा, पिछली तारीख पर मैंने भी साफतौर पर कहा था कि आप शर्तें और कुछ बंदिशें लगा सकते हैं और फिर उन्हें इजाजत दे सकते हैं और यह सिर्फ कुछ घंटों के लिए है। आप कुछ शर्तें लगा दीजिए और अनुमति दीजिए। आप मना कैसे कर सकते हैं? इस पर धनाई ने कहा कि दर्शक सिर्फ दिल्ली से नहीं बल्कि पूरी दुनिया से हैं। जितने व्य हैं उतने लोग जंतर-जंतर पर नहीं आ जाएंगे। जंतर-जंतर ऐतिहासिक रूप से धरना-प्रदर्शन की जगह है। यहां दिल्ली पुलिस का अच्छा नियंत्रण है। जस्टिस शर्मा ने कहा, क्या आप यह भी कह रहे हैं कि स्थान को बदला जा सकता है और तब इसकी अनुमति दी जा सकती है? एसजी ने कहा कि इस पर विचार किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि जब भी जंतर-जंतर पर जुटान होता है तो यह पूरे सेंट्रल दिल्ली को प्रभावित करता है।

सत्य निकेतन इमारत गिरने के मामले में किरण बेदी पहुंचीं दिल्ली हाई कोर्ट, केंद्र सरकार ने किया विरोध

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में सत्य निकेतन इमारत गिरने से जुड़ी याचिका में पक्षकार बनाने की मांग को लेकर पूर्व आईपीएस अधिकारी और पुडुचेरी की उप-राज्यपाल किरण बेदी ने दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया है। हालांकि, अर्जी का केंद्र सरकार ने विरोध किया है। वहीं, इस मामले पर सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय व न्यायमूर्ति तेजस करिय्या की पीठ ने कहा कि अदालत एक प्रशासनिक अधिकारी के तौर पर किरण बेदी के बड़े अनुभव का लाभ उठा सकती है। वहीं, केंद्र सरकार व एमसीडी की तरफ से पेश हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (एसजी) वेंतन शर्मा ने कहा कि उन्हें बेदी के पक्षकार बनने का विरोध करने के निर्देश मिले हैं। उन्होंने कहा कि वह बेदी की ओर से दायर पक्षकार बनने की अर्जी पर आपत्ति जताते हुए जवाब दाखिल करेंगे। पीठ ने कहा कि किरण बेदी, देश की एक जिम्मेदार नागरिक हैं और उनके पास काफी अनुभव है और यह व्यापक जनहित का मामला है। पीठ ने यह भी कहा कि हम उनके लंबे अनुभव का हमेशा इस्तेमाल कर सकते हैं। पीठ ने इसके साथ ही किरण बेदी की अर्जी को स्वीकार करते हुए केंद्र सरकार व एमसीडी को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।



सेवा संकल्प अभियान के तहत स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन-2026 शिविर आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन-2026 के तहत तहसील चुरहट के अमरपुर तथा गोपद बनास के ऐंठी में शिविर आयोजित किए गए शिविर में स्वामित्व योजना के अंतर्गत तैयार भूमिस्वामियों के अधिकार अभिलेखों के निःशुल्क पंजीयन की प्रक्रिया की गई अमरपुर में हितग्राही राम गणेश प्रजापति के पंजीयन से प्रक्रिया की शुरुआत की गई मध्यप्रदेश शासन वित्त विभाग के सचिव लोकेश जाटव ने अमरपुर एवं ऐंठी में आयोजित शिविरों का निरीक्षण किया उन्होंने शिविर में उपलब्ध व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए भूमिस्वामियों को दी जा रही सुविधाओं तथा अधिकार अभिलेखों के पंजीयन की प्रक्रिया की जानकारी ली उन्होंने संबंधित अधिकारियों से पंजीयन कार्य की प्रगति एवं हितग्राहियों के संबंध में जानकारी प्राप्त कर शासन की मंशा के अनुरूप पात्र हितग्राहियों को निर्धारित प्रक्रिया का लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए कलेक्टर विकास मिश्रा ने स्वामित्व अधिकार अभिलेखों के निष्पादन एवं पंजीयन की प्रक्रिया की जानकारी देते हुए बताया कि स्वामित्व योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में संपत्ति के अधिकार से संबंधित अभिलेख तैयार किए गए हैं इन अधिकार अभिलेखों के निःशुल्क पंजीयन से भूमिस्वामियों को अपनी संपत्ति के अधिकार का विधिकत पंजीकृत दस्तावेज प्राप्त होगा, जिससे उनके संपत्ति संबंधी अधिकारों को सुरक्षित एवं प्रमाणित आधार मिलेगा कलेक्टर ने बताया कि पंजीकृत अधिकार अभिलेख विभिन्न शासकीय एवं वित्तीय कार्यों में उपयोगी होंगे विशेष रूप से पंजीकृत संपत्ति के आधार पर बैंकिंग संस्थाओं से ऋण प्राप्त करने में सुविधा मिलेगी जिससे ग्रामीण परिवार अपनी संपत्ति का आर्थिक उपयोग भी कर सकेंगे।

7424 हितग्राही होंगे लाभान्वित: उल्लेखनीय है कि स्वामित्व योजना के तहत सीधी जिले की 383 ग्राम पंचायतों के कुल 7424 हितग्राही भू-अधिकार पंजीयन प्रमाण पत्र से लाभान्वित होंगे।

जले ट्रांसफार्मर बदलने और सुविधाएं दिलाने की मांग, किसान-मजदूर महासंघ की बैठक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ ब्लॉक इकाई सिरमौर की मासिक बैठक विश्राम गृह में आयोजित की गई बैठक में किसानों और मजदूरों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए शासन-प्रशासन से उनके शीघ्र निराकरण की मांग की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में महासंघ के जिला संयोजक रामायण प्रसाद मिश्रा उपस्थित रहे बैठक के दौरान पदाधिकारियों ने जन जागरण यात्रा के समापन के दौरान जिला सिवनी प्रशासन द्वारा किसानों के साथ किए गए व्यवहार पर नाराजगी जताई वक्ताओं ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि किसानों के साथ इस तरह का व्यवहार उचित नहीं है उन्होंने कहा कि किसानों और मजदूरों की समस्याओं को प्रशासन द्वारा गंभीरता से सुना जाना चाहिए



तथा उनके समाधान के लिए प्रभावी कार्रवाई होनी चाहिए बैठक में बिजली और राजस्व विभाग सहित विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं पर भी चर्चा हुई पदाधिकारियों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों और मजदूरों को शासन की योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ समय पर नहीं मिल पा रहा है विभागीय स्तर पर समस्याओं के निराकरण में देरी के कारण ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है विद्युत व्यवस्था को लेकर महासंघ के

पदाधिकारियों ने बताया कि कई गांवों में ट्रांसफार्मर लंबे समय से जले पड़े हैं इसके बावजूद उन्हें समय पर बदले नहीं जाने से किसानों की परेशानी बढ़ रही है महासंघ ने विद्युत विभाग से जले हुए ट्रांसफार्मरों को प्राथमिकता के आधार पर बदलने और ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की। बैठक में जिला अध्यक्ष रीवा भक्त प्रहलाद वर्मा, जिला सहमंत्री कामता प्रसाद शुक्ल, वंश गोपाल त्रिपाठी, मनमोहन त्रिपाठी, बैजनाथ शुक्ल, गणेश

शिक्षक ईमानदारी से कर्तव्यों का पालन कर राष्ट्र निर्माण में दें योगदान : कमिश्नर

सैनिकों की तरह शिक्षक भी जिम्मेदारी निभाएं, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने पर भी दिया जोर



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। हम सभी भारतीय हैं और भारतीय होने के नाते देश के विकास में योगदान देना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। जिस तरह सीमा पर सैनिक विषम परिस्थितियों में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए देशवासियों की सुरक्षा करते हैं, उसी तरह शिक्षकों को भी ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का पालन कर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए यह

बातरीवा संभाग के आयुक्त शौलेंद्र सिंह ने शासकीय शिक्षा महाविद्यालय रीवा में आयोजित शिक्षक उन्मुखीकरण कार्यक्रम में कही गणेश महोत्सव के तीसरे दिन आयोजित कार्यक्रम में आयुक्त ने महाविद्यालय के प्राचार्य एवं पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. आरपन पटेल ने आयुक्त का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं ने अनुशासित तालियों के साथ उनका अभिनंदन किया रिशु पांडेय एवं अन्य छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया प्राचार्य

डॉ. पटेल ने कहा कि शिक्षक उन्मुखीकरण कार्यक्रम में आयुक्त का मार्गदर्शन प्रशिक्षणार्थियों और शिक्षकों के लिए उपयोगी साबित होगा। कार्यक्रम में स्वास्थ्य जागरूकता एवं परिचर्चा भी आयोजित की गई। डॉ. एसके त्रिपाठी, डॉ. सर्येंद्र मिश्रा और डॉ. शुभम मिश्रा ने शिक्षकों के लिए प्रशिक्षणार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली के संबंध में जानकारी दी चिकित्सकों ने संयमित दिनचर्या, नियमित व्यायाम और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच करने की सलाह दी उन्होंने प्रतिदिन पैदल चलने, साइकिलिंग करने तथा हड्डियों की मजबूती के लिए शारीरिक सक्रियता बनाए रखने पर जोर दिया भोजन में पर्याप्त प्रोटीन लेने रात में हल्का भोजन करने तथा चाय और शक्कर का कम से कम उपयोग करने की सलाह भी दी गई।

डॉ. पटेल ने कहा कि शिक्षक उन्मुखीकरण कार्यक्रम में आयुक्त का मार्गदर्शन प्रशिक्षणार्थियों और शिक्षकों के लिए उपयोगी साबित होगा। कार्यक्रम में स्वास्थ्य जागरूकता एवं परिचर्चा भी आयोजित की गई। डॉ. एसके त्रिपाठी, डॉ. सर्येंद्र मिश्रा और डॉ. शुभम मिश्रा ने शिक्षकों के लिए प्रशिक्षणार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली के संबंध में जानकारी दी चिकित्सकों ने संयमित दिनचर्या, नियमित व्यायाम और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच करने की सलाह दी उन्होंने प्रतिदिन पैदल चलने, साइकिलिंग करने तथा हड्डियों की मजबूती के लिए शारीरिक सक्रियता बनाए रखने पर जोर दिया भोजन में पर्याप्त प्रोटीन लेने रात में हल्का भोजन करने तथा चाय और शक्कर का कम से कम उपयोग करने की सलाह भी दी गई।

सेवा संकल्प अभियान के तहत सीधी और कुसमी में रक्तदान शिविर, 48 यूनिट रक्त संग्रहित

जिला चिकित्सालय में 21 और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुसमी में 27 यूनिट रक्त एकत्रित



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शासन के निर्देशानुसार सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को जिला चिकित्सालय सीधी के

ब्लड बैंक तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुसमी में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। दोनों शिविरों के माध्यम से जिले में कुल 48 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया जिला चिकित्सालय

सीधी में आयोजित रक्तदान शिविर का शुभारंभ सांभव डॉ. राजेश मिश्रा, विधायक रीती पाठक एवं देव कुमार सिंह चौहान सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों और मीडिया प्रतिनिधियों की

उपस्थिति में हुआ। अतिथियों ने रक्तदान को मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए लोगों से स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आने का आह्वान किया सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि दुर्घटना, प्रसव, गंभीर बीमारी अथवा आयातकालीन स्थिति में समय पर रक्त उपलब्ध होना किसी व्यक्ति का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है उन्होंने स्वस्थ एवं सक्षम नागरिकों से नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील की विधायक रीती पाठक ने कहा कि रक्तदान ऐसा मानवीय कार्य है जिसका सीधा लाभ जरूरतमंद व्यक्ति को मिलता है। उन्होंने पुलिस जवानों, स्वास्थ्य कर्मियों, औद्योगिक संस्थानों के कर्मचारियों एवं आम नागरिकों द्वारा किए गए रक्तदान की सराहना की जिला

चिकित्सालय के ब्लड बैंक में कुल 21 यूनिट रक्त संग्रहित हुआ। इसमें पुलिस प्रशासन के 8 जवानों, अल्ट्राटेक बघवार के 5 कर्मचारियों तथा आम नागरिकों ने 8 यूनिट रक्तदान किया वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुसमी में 27 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस प्रकार दोनों स्थानों पर कुल 48 यूनिट रक्त संग्रहित हुआ। **जिला प्रभारी सचिव ने किया निरीक्षण:** सेवा संकल्प अभियान के जिला प्रभारी एवं मध्यप्रदेश शासन वित्त विभाग के सचिव लोकेश जाटव ने जिला चिकित्सालय में आयोजित रक्तदान शिविर का निरीक्षण किया उन्होंने रक्तदान प्रक्रिया और ब्लड बैंक की व्यवस्थाओं का जायज देखे हुए रक्त संग्रहण एवं उपलब्धता की जानकारी ली इस दौरान कलेक्टर विकास मिश्रा,

जिला पंचायत सीईओ सौम्या आनंद, एसडीएम प्रिया पाठक, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार खरे, सिविल सर्जन डॉ. दीपा रानी इसरानी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे सचिव ने जिला चिकित्सालय के विभिन्न वार्डों का भी निरीक्षण कर निर्माण कार्य एवं स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए सीएमएचओ डॉ. अशोक कुमार खरे ने बताया कि जिले में रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर रक्तदान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने रक्तदाताओं, पुलिस प्रशासन, अल्ट्राटेक प्रबंधन, मीडिया प्रतिनिधियों एवं अन्य सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ, गणेश मंदिर परिसर में चला स्वच्छता अभियान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। स्वच्छता और जनभागीदारी के संकल्प के साथ जिले में सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ हुआ अभियान के शुभारंभ अवसर पर गणेश मंदिर परिसर स्थित पूजा पार्क में स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया इसमें जिला प्रशासन, नगर पालिका, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद तथा सामाजिक क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधियों और नागरिकों ने सहभागिता की स्वच्छता कार्यक्रम के दौरान गणेश मंदिर परिसर और पूजा पार्क में साफ-सफाई की गई उपस्थित लोगों ने सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने का संदेश दिया नागरिकों से गंदगी नहीं करने तथा अपने आसपास के लोगों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने की अपील की गई कार्यक्रम में कलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा कि स्वच्छता केवल किसी एक विभाग अथवा संस्था की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि यह सामूहिक सहभागिता का विषय है सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाए रखने में प्रशासन के साथ आम नागरिकों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयास और जनभागीदारी से शहर एवं जिले को स्वच्छ और सुंदर बनाने की दिशा में बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। कलेक्टर ने नागरिकों से सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि स्वच्छता को केवल अभियान तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए इसे दैनिक जीवन की आदत और जिम्मेदारी के रूप में अपनाने की आवश्यकता है सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से जिले में स्वच्छता, जनभागीदारी और सामाजिक सरोकार से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है अभियान में विभिन्न विभागों, संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है।

जिला प्रभारी सचिव ने कलेक्ट्रेट में की समीक्षा, जनभागीदारी बढ़ाने और विभागों में समन्वय के दिए निर्देश



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन वित्त विभाग के सचिव एवं सेवा संकल्प अभियान के जिला प्रभारी लोकेश जाटव ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सेवा संकल्प अभियान के क्रियाव्ययन की समीक्षा की। उन्होंने जिले में अभियान के तहत अब तक आयोजित गतिविधियों तथा आगामी कार्यक्रमों की प्रगति की जानकारी लेते हुए निर्धारित

कार्ययोजना के अनुरूप सभी गतिविधियों का प्रभावी, व्यवस्थित और समयबद्ध आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए समीक्षा बैठक में सचिव ने विभागवार अभियान की तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से अब तक आयोजित कार्यक्रमों, आगामी गतिविधियों, लक्षित हितग्राहियों तथा विभागों द्वारा की जा रही

तैयारियों के संबंध में चर्चा की। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र लोगों तक पहुंचाना है इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और निर्धारित गतिविधियों को जनभागीदारी के साथ प्रभावी ढंग से संचालित करें लोकेश जाटव ने



अभियान के दौरान आयोजित होने वाली गतिविधियों में नागरिकों, युवाओं, महिलाओं और विभिन्न सामाजिक समूहों की सहभागिता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्यक्रमों की नियमित निगरानी करने तथा कार्ययोजना के अनुसार गतिविधियों की प्रगति की जानकारी रखने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर विकास मिश्रा ने जिले में

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत प्रस्तावित गतिविधियों और तैयार कार्यक्रमों का विस्तार से जानकारी दी उन्होंने विभागवार की जा रही तैयारियों, आयोजित जनकल्याणकारी गतिविधियों और आगामी कार्यक्रमों के संबंध में सचिव को अवगत कराया कलेक्टर ने बताया कि अभियान के प्रभावी क्रियाव्ययन के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-

निर्देश जारी किए गए हैं अभियान के तहत सेवा, जनकल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं युवा सहभागिता तथा नागरिक सुविधाओं से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं बैठक में अधिकारियों को अपने-अपने विभाग की गतिविधियों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने तथा अभियान के उद्देश्यों के अनुरूप परिणाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए आमजन को शासन की योजनाओं और सेवाओं की जानकारी उपलब्ध कराने के साथ पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के लिए मैदानी स्तर पर प्रभावी कार्रवाई पर भी जोर दिया गया इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सौम्या आनंद, अपर कलेक्टर बीपी पाण्डेय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सिंगरौली में भाजपा विधायक ने लगाया नरेंद्र मोदी अमर रहें का नारा, वीडियो वायरल

रक्तदान शिविर के दौरान विधायक राजेंद्र मेश्राम ने लगाया नारा, बाद में कार्यकर्ताओं ने लगाए मोदी जिंदाबाद के नारे



किया गया था। कार्यक्रम के दौरान विधायक राजेंद्र मेश्राम ने मंच के समीप 'नरेंद्र मोदी अमर रहें' का नारा लगाया उपलब्ध वीडियो में उनके नारे के बाद तत्काल कोई स्पष्ट सामूहिक प्रतिक्रिया सुनाई नहीं देती इसके बाद वहां मौजूद लोगों की ओर से नरेंद्र मोदी

जिंदाबाद के नारे लगाए गए वीडियो में विधायक कुछ देर बाद मुस्कुराते हुए वहां से जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। **सोशल मीडिया पर वीडियो की चर्चा:** विधायक के नारे का वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने

आ रही हैं वीडियो में कार्यक्रम स्थल पर भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद दिखाई देते हैं कार्यक्रम में पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री राधा सिंह, सिंगरौली विधायक रामनिवास शाह, कलेक्टर सहित जिला प्रशासन के अधिकारी और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद बताए गए हैं वीडियो में दिखाई देने वाले घटनाक्रम को लेकर सोशल मीडिया पर लोगों की अलग-अलग व्याख्याएं हैं हालांकि वायरल वीडियो के आधार पर किसी व्यक्ति की मंशा के बारे में निष्कर्ष निकालना संभव नहीं है। विधायक राजेंद्र मेश्राम की ओर से इस नारे को लेकर कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण दिया गया है या नहीं इसकी स्वतंत्र पुष्टि उपलब्ध जानकारी से नहीं हो

सकी है। **जन्मदिन पर आयोजित हुआ रक्तदान शिविर:** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर भाजपा और उससे जुड़े संगठनों की ओर से देशभर में रक्तदान सहित विभिन्न सेवा कार्यक्रम आयोजित किए गए। भाजपा ने 17 सितंबर से सेवा संकल्प अभियान समेत कई कार्यक्रमों की घोषणा की है। सिंगरौली के बैद्वन में आयोजित रक्तदान शिविर भी इसी क्रम का कार्यक्रम था। इसी दौरान विधायक के नारे का वीडियो रिकॉर्ड हुआ, जो अब सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। फिलहाल वीडियो में दिखाई दे रहे घटनाक्रम को लेकर विधायक की ओर से विस्तृत प्रतिक्रिया सामने आने का इंतजार है।

रंजिश में सागौन के 20 से ज्यादा हरे पेड़ काटे, चार घरों से लकड़ी जब्त

वन विभाग की कार्रवाई के दौरान आरोपी फरार, चार से अधिक लोगों पर वन अपराध दर्ज

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के चितरंगी वन परिक्षेत्र के बगदरा कला जंगल में सागौन के हरे पेड़ों की अवैध कटाई का मामला सामने आया है मुखबि्र से सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम ने जंगल में पहुंचकर जांच की, जहां बड़ी संख्या में सागौन के पेड़ कटे हुए मिले वन विभाग के अनुसार मौके पर 18 से अधिक पेड़ कटे मिले हैं जबकि कटे पेड़ों की संख्या 20 से ज्यादा होने की संभावना जताई गई है सूचना मिलने पर रंजर रवि शेखर सिंह वन अमले के साथ बगदरा कला जंगल पहुंचे। टीम ने जंगल के अलग-अलग हिस्सों में जांच की तो कई स्थानों पर सागौन के हरे पेड़ कटे मिले इसके बाद आसपास के ग्रामीणों से पूछताछ कर पेड़ों की कटाई से जुड़े लोगों के बारे में जानकारी



जुटाई गई। **चार घरों से सागौन की लकड़ी बरामद:** वन विभाग की टीम ने जंगल में जांच के बाद गांव में भी कार्रवाई की विभाग के अनुसार राबेन्द्र सिंह, अशोक सिंह, अनिल सिंह और विनोद सिंह के घरों से सागौन की लकड़ी जब्त की गई है कार्रवाई की जानकारी मिलते ही चारों लोग

घरों से भी सागौन की लकड़ी बरामद हुई थी उस मामले में भी वन अपराध दर्ज किया गया था। रंजर के अनुसार अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई से नाराज कुछ ग्रामीणों द्वारा वन विभाग पर लकड़ी चोरी करवाने का आरोप लगाने के उद्देश्य से कथित तौर पर सागौन के हरे पेड़ों को काटे जाने की आशंका हालांकि, पेड़ काटने के पीछे वास्तविक कारण और आरोपियों की भूमिका की पुष्टि जांच के बाद ही होगी वन विभाग ने इस मामले में चार से अधिक लोगों के खिलाफ वन अपराध दर्ज किया है फरार आरोपियों की तलाश के साथ जंगल में कटे पेड़ों की वास्तविक संख्या और जब्त लकड़ी की मात्रा का आकलन किया जा रहा है जांच पूरी होने के बाद मामले में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षकों का दायित्व है संवेदनशील व्यवहार

पिछले दिनों आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम का वह बीडियो पूरे देश में वायरल हुआ, जिसमें एक प्राइवेट स्कूल की शिक्षिका बच्चे को घंटटी और थप्पड़ मारती नजर आ रही थी। उसके बाद बच्चे को कटे पेड़ की तरह गिरते देखा गया। बताते हैं कि होमवर्क पूरा न करने पर टीचर ने एलकेजी के छह वर्षीय छात्र प्रणय तेजा को पहले बुरी तरह डांटा और फिर उसे जोर से थप्पड़ मारा, जो उसे एक शॉक की तरह लगा। सीसीटीवी कैमरे की पुलिस द्वारा हासिल रिकॉर्डिंग में बच्चे की पिटाई और जमीन पर गिरने

का दृश्य स्पष्ट दिखाई दे रहा था। बच्चे को अस्पताल ले जाया गया। जहां बताया गया है कि उसकी मृत्यु हो चुकी है। इस घटना के बाद व्यापक विरोध प्रदर्शन भी हुए। अभिभावकों का आरोप है कि बच्चा घर से स्वस्थ स्थिति में स्कूल के लिए निकला था। उसे कोई रोग भी नहीं था। बाकायदा उसने स्कूल जाने की खुद ज़िद की। उसके पिता के अनुसार उनका परिवार एक तीर्थयात्रा पर गया था, जिसकी वजह से वह होमवर्क नहीं कर सका। इसके बाद टीचर के खिलाफ कार्रवाई और निजी

स्कूलों में छात्रों की सुरक्षा बढ़ाने और संवेदनशील व्यवहार की मांग तेज हुई। वहीं दूसरी ओर स्कूल प्रशासन ने दलील दी कि खेल के मैदान में गिरने की वजह से बच्चे की जान गई। बताया जाता है कि स्कूल में कोई खेल का मैदान था ही नहीं। पूरी दुनिया में ऐसे तमाम अध्ययन व शोध निष्कर्ष सामने आ चुके हैं कि स्कूली बच्चों का किसी भी तरह शारीरिक व मानसिक उत्पीड़न नहीं

किया जाना चाहिए। यह न केवल शिक्षकों का शैक्षिक दायित्व है बल्कि वे इसके लिये कानूनी रूप से भी बाध्य हैं। लेकिन विडंबना यह है कि शिक्षकों ने जाने वयों मान लिया है कि किसी छात्र की गलती को दंडित या प्रताड़ित करके ही सुधारा जा सकता है। कहीं न कहीं यह शिक्षकों में धैर्य व तार्किक सोच की कमी को भी दर्शाता है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में

भी पिछले दिनों ऐसी ही घटना सामने आई। वहां विनोद नगर में एक सरकारी स्कूल की ग्यारह साल की छात्रा की सजा दिए जाने के बाद मौत हो गई। उसका कसूर सिर्फ इतना था कि वह क्लास में किताब लाना भूल गई। शिक्षिका ने उसे क्लास के पीछे हाथ ऊपर करके खड़े होने की सजा दी। कक्षा में इस तरह काफ़ी देर तक खड़े रहने और अपमान को आहत होने के बाद उसकी तबीयत खराब हो गई। उसे इलाज के लिये अस्पताल ले जाया गया लेकिन बाद में उसकी मौत हो गई। इसी तरह की अन्य घटना

में फरीदाबाद के एक स्कूल में मामूली बात पर छात्रा को चार घंटे खड़े होने की सजा दी गई। घटना से आहत व अमानित महसूस करके छात्रा ने स्कूल की छत से कूदकर जान दे दी। आखिर कई स्तर पर प्रशिक्षित शिक्षक इस बात को समझने का प्रयास क्यों नहीं करते कि उन्हें छात्रों के साथ संवेदनशील व्यवहार करना चाहिए। वे क्यों नहीं सोचते कि क्लास में सबके सामने दंडित किए जाने से बच्चे के कोमल मन-मस्तिष्क पर कैसा नकारात्मक असर पड़ेगा।

संपादकीय

हृतियों की बढ़ती ताकत

से गहराया तेल संकट

कालिलाल मांडेठ

पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका के बीच जारी युद्ध अब केवल दो देशों के बीच सैन्य संघर्ष नहीं रह गया है। इसकी गूंज लाल सागर से लेकर फारस की खाड़ी और होरमुज जलडमरूमध्य तक सुनाई दे रही है। यमन के हूती लड़कों की बढ़ती सक्रियता ने इस संकट को और गंभीर बना दिया है। सऊदी अरब की तेल पाइपलाइन पर झेन हमला और लाल सागर के दक्षिणी प्रवेश द्वार के निकट रणनीतिक क्षेत्र पर हृतियों की बढ़त ने दुनिया के सामने ऊर्जा सुरक्षा का नया संकट खड़ा कर दिया है। यदि संघर्ष लंबा खिंचता है और तेल परिवहन के महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग प्रभावित होते हैं तो आने वाले समय में कच्चे तेल और गैस की कीमतों में तेज उछाल देखने को मिल सकता है।

सऊदी अरब ने झेन हमले के बाद अपनी करीब 1200 किलोमीटर लंबी पूर्वी-पश्चिमी तेल पाइपलाइन को एहतियाती कदम के तौर पर अस्थायी रूप से बंद कर दिया। यह पाइपलाइन सऊदी तेल परिवहन व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी है और इसके बंद होने की खबर ने अंतरराष्ट्रीय बाजारों की चिंता बढ़ा दी। सऊदी विदेश मंत्रालय ने हमले के लिए इराक से उड़ाए गए कई झेन को जिम्मेदार बताया। हमले में लोगों के घायल होने की भी खबर सामने आई। सऊदी अरब ने तत्काल जवाबी कार्रवाई नहीं करने का फैसला किया और इराकी सरकार को आवश्यक कदम उठाने का अवसर दिया, लेकिन अपनी संप्रभुता और सुरक्षा की रक्षा के अधिकार को स्पष्ट रखा।

इराक सरकार ने भी हूती हमले की निंदा की। जांच में झेन के इराक से उड़ाए जाने की पुष्टि के बाद एक सैन्य कमांडर को हटाया गया। इसके बाद इराक ने एहतियाती कदम उठाते हुए ईरान के साथ शलमचेह सीमा चौकी भी बंद कर दी। इससे स्पष्ट है कि ईरान और अमेरिका के बीच चल रहा संघर्ष अब आसपास के देशों की सुरक्षा व्यवस्था और आपसी संबंधों को भी प्रभावित कर रहा है। जुलाई में अमेरिका और सऊदी अरब की ओर से इराक में ईरान समर्थित मिलिशिया के ठिकानों पर की गई कार्रवाई ने भी क्षेत्रीय तनाव को बढ़ाया था।

सबसे बड़ी चिंता तेल को लेकर है। पश्चिम एशिया दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का महत्वपूर्ण केंद्र है। इस क्षेत्र में युद्ध की स्थिति बनी रहने से तेल उत्पादन के साथ-साथ उसके परिवहन पर भी खतरा बढ़ जाता है। लाल सागर और होरमुज जलडमरूमध्य जैसे समुद्री मार्गों में किसी भी तरह की बड़ी बाधा का सीधा असर अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार पर पड़ सकता है। तेल महंगा होने का असर केवल पेट्रोल और डीजल की कीमतों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि परिवहन, उद्योग, विजली, खाद्य वस्तुओं और रोजमर्रा की ज़रूरतों की कीमतों पर भी पड़ता है। इसलिए पश्चिम एशिया का युद्ध दुनिया के लिए ऊर्जा संकट के साथ आर्थिक संकट भी पैदा कर सकता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि नवंबर में होने वाले अमेरिकी मध्यवर्धि चुनाव के बाद युद्ध समाप्त हो सकता है और इसके साथ तेल की कीमतों में भारी गिरावट आएगी। उनका कहना है कि ईरान इस संघर्ष को चुनाव तक खींचने का प्रयास कर रहा है। ट्रंप के अनुसार युद्ध समाप्त होने के बाद बाजार में अनिश्चितता कम होगी और तेल की कीमतें तेजी से नीचे आ सकती हैं। लेकिन इस दावे का वास्तविक परिणाम क्या होगा, यह समय ही बताएगा। तेल की कीमत केवल राजनीतिक घोषणाओं से तय नहीं होती। आपूर्ति, मांग, समुद्री मार्गों की सुरक्षा और प्रमुख तेल उत्पादक देशों की स्थिति भी इसमें बड़ी भूमिका निभाती है। दूसरी ओर ईरान की ओर से भी अमेरिका के रुख पर तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान ईरान के राष्ट्रपति समुद्र घंजेस्कियन का बयान इस पूरे संकट के बीच विशेष महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया को अमेरिका जैसे किसी क्षेत्रीय पुलिसकर्मी की आवश्यकता नहीं है। उनके अनुसार क्षेत्र की सुरक्षा और यहां के देशों की सीमाओं की रक्षा की जिम्मेदारी इसी क्षेत्र के देशों और उसके प्रमुख खिलाड़ियों की होनी चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ईरान युद्ध नहीं चाहता और न ही इस संघर्ष को आगे बढ़ाना चाहता है। नई दिल्ली से आया ईरानी राष्ट्रपति का संदेश इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत पश्चिम एशिया के सभी प्रमुख देशों के साथ अपने संबंध बनाए रखते हुए शांति और स्थिरता का पथदर्श रहा है। भारत के लिए इस संघर्ष का सीधा संबंध उसकी ऊर्जा सुरक्षा से है। भारत अपनी ज़रूरत का बड़ा हिस्सा कच्चे तेल के आयात से पूरा करता है। ऐसे में होरमुज जलडमरूमध्य या लाल सागर के रास्ते तेल की आपूर्ति प्रभावित होती है तो उसका असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी पड़ सकता है।

विनोद सिंह ‘तकियावाला’

युवा इंजीनियरिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर और विनिर्माण के संगम से बदल रही भारत की अर्थव्यवस्था; प्रधानमंत्री मोदी ने कहा -नीति से आगे बढ़कर अब भारत में बन रहे हैं चिप और वैश्विक बाजार तक पहुंच रही है, भारतीय तकनीक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 सितंबर को सेमीकॉन इंडिया 2026 के पाँचवें संस्करण का उद्घाटन किया। 17 से 19 सितंबर तक चलने वाले इस इ सेमीकॉन इंडिया 2026 का विषय है- ‘सिलिकॉन से सिस्टम तक : इकोसिस्टम का निर्माण’। 52 देशों की भागीदारी, 600 से अधिक प्रदर्शक, 150 से अधिक वक्ता छह देश मंडप और 12 राज्य मंडप इस आयोजन को वैश्विक तकनीकी संवाद का महत्वपूर्ण मंच बना रहे हैं। सर्व विदित रहे कि सेमीकॉन इंडिया 2026 का महत्व केवल इसकी भव्यता और वैश्विक भागीदारी में नहीं है।इसका वास्तविक महत्व उस परिवर्तन में छिपा है,जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने अपने उद्घाटन संबोधन में रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा अब परियोजनाओं की घोषणा और निर्माण के चरण से आगे बढ़कर वाणिज्यिक उत्पादन तक पहुँच गई है।उनके अनुसार पहले सेमीकॉन आयोजन में नीतियों पर चर्चा हुई,फिर परियोजनाओं और शिलान्यास की बात आई,पिछले वर्ष पायलट लाइन और टेस्ट चिप की चर्चा हुई और अब भारतीय संयंत्रों से तैयार चिप ग्राहकों तक पहुँचने लगी है।यही बदलाव विकसित भारत 2047 की बड़ी तस्वीर को समझने की कुंजी भी है।भारत ने लंबे समय तक इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में मुख्यतः उपभोक्ता बाजार के रूप में अपनी पहचान बनाई। मोबाइल फोन से लेकर इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों तक भारत में खपत तेजी से बढ़ी,लेकिन उसके पीछे लगने वाली चिप तकनीक का बड़ा हिस्सा बाहर से आता रहा।आज तस्वीर बदलने की कोशिश हो रही है।अब लक्ष्य केवल चिप का इस्तेमाल करना नहीं,बल्कि उसके डिजाइन से लेकर निर्माण,पैकेजिंग, परीक्षण, उपकरण,सामग्री और अंततः चिप से तैयार सिस्टम तक पूरी मूल्य श्रृंखला को भारत में मजबूत करना है।इसलिए इस वर्ष का ‘सिलिकॉन से सिस्टम तक’ विषय अपने भीतर एक बड़ी आर्थिक कहानी समेटे हुए है।यशोभूमि में प्रदर्शित ‘सैंड से सिलिकॉन से सिस्टम’ मूल्य श्रृंखला यह दिखाती है कि भारत की महत्वाकांक्षा केवल किसी एक फैब या पैकेजिंग इकाई तक सीमित नहीं है।लक्ष्य एक



ऐसा व्यापक परिस्थितिकी तंत्र तैयार करना है,जिसमें डिजाइनर, इंजीनियर,निर्माता,उपकरण कंपनियाँ,कच्चे माल के उत्पादक, शोध संस्थान,स्टार्टअप और अंतिम इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली बनाने वाली कंपनियाँ एक-दूसरे से जुड़े।यहीं से विकसित भारत 2047 का सपना सेमीकॉन इंडिया 2026 से जुड़ता है।

2047 में भारत अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मनाएगा।उस समय भारत की अर्थव्यवस्था कैसी होगी, उसकी वैश्विक तकनीकी भूमिका क्या होगी और उसके युवाओं के पास किस प्रकार के रोजगार होंगे,इन प्रश्नों के उत्तर आज की नीतियों और निवेश से तैयार होंगे।सेमीकंडक्टर क्षेत्र इस भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह केवल एक उद्योग नहीं,बल्कि अनेक उद्योगों की आधारभूत तकनीक है।प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में भारत की इस यात्रा को नई गति मिलने की बात कही और यह भी रेखांकित किया कि भारत ने कुछ ही वर्षों में वह प्रगति की है,जिसमें सामान्यतः अधिक लंबा समय लगता है। उन्होंने भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा को दूसरे चरण में प्रवेश करने वाला बताया।साथ ही उन्होंने उद्योग जगत से अनुसंधान एवं विकास में अधिक सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया और भारत

तथा विदेशों में शोध कर रहे युवा वैज्ञानिकों और प्रतिभाओं को देश की उन्नत तकनीकी यात्रा से जुड़ने का आग्रह किया।युवा इंजीनियर इस पूरी कहानी का सबसे महत्वपूर्ण अध्याय हैं।सेमीकंडक्टर उद्योग में केवल पूंजी लगाने से कारखाना खड़ा नहीं होता। इसके लिए डिजाइन इंजीनियर, माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स विशेषज्ञ, सामग्री वैज्ञानिक,उपकरण इंजीनियर,सॉफ्टवेयर विशेषज्ञ, पैकेजिंग विशेषज्ञ,परीक्षण विशेषज्ञ और अनुसंधानकर्ता चाहिए।यही कारण है कि सेमीकॉन इंडिया 2026 में वर्कफोर्स डेवलपमेंट पवेलियन और छात्र हैकथॉन जैसे कार्यक्रमों को भी स्थान दिया गया है।लगभग 40 स्टार्टअप वाला स्टार्टअप पवेलियन भी यह संदेश देता है कि भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा केवल बड़ी कंपनियों की कहानी नहीं है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में युवाओं को चिप डिजाइन का प्रशिक्षण दिए जाने और उन्हें स्वयं चिप डिजाइन करने के अवसर मिलने की चर्चा की।यह बदलाव बहुत महत्वपूर्ण है। इंजीनियरिंग की शिक्षा अब केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं रह सकती।भारत को ऐसे इंजीनियर चाहिए जो सामस्या को समझें,डिजाइन तैयार करें, प्रयोग करें,असफल हों और फिर नया समाधान विकसित करें। प्रयोगशाला से उद्योग और उद्योग से बाजार तक

जाने वाली यही संस्कृति विकसित भारत की तकनीकी नींव बनेगी।सेमीकॉन 2.0 इसी दिशा में अगला कदम है।इस कार्यक्रम का जोर केवल बड़े सिलिकॉन फैब पर नहीं, बल्कि डिजाइन,विशेषीकृत फैब, उन्नत पैकेजिंग,उपकरण एवं चटक निर्माण,कच्चे माल, अनुसंधान एवं विकास तथा प्रतिभा निर्माण जैसे क्षेत्रों पर है। यानी सरकार अब पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करने की दिशा में बढ़ रही है। कार्यक्रम में चिप डिजाइन, उपकरण और सामग्री से लेकर अनुसंधान और कौशल तक अनेक स्तरों को समर्थन देने की व्यवस्था की गई है।इसका सीधा संबंध भारत की अर्थव्यवस्था से है।भारत को यदि 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था बनना है तो उसे उच्च मूल्य वाले विनिर्माण में अपनी हिस्सेदारी बढ़ानी होगी। सेवा क्षेत्र ने भारत को वैश्विक पहचान दी है,लेकिन आने वाले समय में विनिर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स,सेमीकंडक्टर, रक्षा उत्पादन,हैरिस्ट ऊर्जा,अंतरिक्ष और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्र आर्थिक विकास के नए इंजन बन सकते हैं।सेमीकंडक्टर इन सभी क्षेत्रों के बीच एक साझा कड़ी है।

एक चिप केवल एक छोटा इलेक्ट्रॉनिक घटक नहीं है। इसके पीछे डिजाइन सॉफ्टवेयर से लेकर अत्यंत शुद्ध सामग्री,विशेष मशीनें,रसायन, गैसें, परीक्षण प्रयोगशालाएँ,

पैकेजिंग तकनीक और प्रशिक्षित मानव संसाधन की पूरी श्रृंखला होती है।इसलिए भारत में सेमीकंडक्टर उद्योग का विस्तार होने का अर्थ हजारों प्रत्यक्ष नौकरियों के साथ उससे जुड़े अनेक सहायक उद्योगों, सेवाओं और आपूर्ति श्रृंखलाओं का विकास भी है।इसीलिए सेमीकॉन इंडिया 2026 को रोजगार और युवा उद्यमिता के दृष्टिकोण से भी देखना आवश्यक है।अतीत के आने वाले वर्षों में चिप डिजाइन,एम्बेडेड सिस्टम,कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स,ऑटोमेशन,इलेक्ट्रिक वाहन , डेटा सेंटर और स्मार्ट विनिर्माण के क्षेत्र में नई विशेषज्ञता की मांग बढ़ेगी।भारत के इंजीनियरिंग संस्थानों के सामने यह अवसर है कि वे अपने पाठ्यक्रम और प्रयोगशालाओं को भविष्य की इन ज़रूरतों से जोड़ें।प्रधानमंत्री ने उद्योग से अनुसंधान एवं विकास की जिम्मेदारी अधिक सक्रियता से लेने का आह्वान भी इसी संदर्भ में किया।भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक यह है कि शोध को प्रयोगशाला से बाजार तक पहुँचाने की गति कैसे बढ़ाई जाए। यदि विश्वविद्यालय में तैयार तकनीक उद्योग तक नहीं पहुँचती और उद्योग की समस्या शोध संस्थानों तक नहीं पहुँचती,तो दोनों की क्षमता का पूरा उपयोग नहीं हो पाता।सेमीकंडक्टर जैसे अत्याधुनिक क्षेत्र में यह दूरी और भी कम करनी होगी।भारत के लिए वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बदलाव परिदृश्य भी एक अवसर लेकर आया है।दुनिया अब ऐसे नए और भरोसेमंद स्थान चाहती है जहाँ महत्वपूर्ण तकनीकों का उत्पादन विविधीकृत रूप में किया जा सके।प्रधानमंत्री ने भी कहा कि दुनिया को चिप निर्माण के लिए नए और भरोसेमंद स्थानों की आवश्यकता है और भारत स्वयं को एक पसंदीदा गंतव्य बनाने के लिए आवश्यक कदम उठा रहा है।इस अवसर का लाभ केवल निवेश आकर्षित करके नहीं उठाना जा सकता।इसके लिए गुणवत्ता,समयबद्ध उत्पादन, विश्वसनीय ऊर्जा,पानी, लॉजिस्टिक्स,कुशल मानव संसाधन और अनुसंधान की मजबूत व्यवस्था चाहिए। भारत में सर्पित मातल गलियारों, औद्योगिक गलियारों, बंदरगाहों और डिजिटल बुनियादी ढाँचे का विस्तार इसी व्यापक औद्योगिक व्यवस्था का हिस्सा है। आधुनिक चिप उद्योग को जिस प्रकार की जटिल आपूर्ति श्रृंखला चाहिए, उसके लिए भौतिक और डिजिटल बुनियादी ढाँचा दोनों समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता इस पूरी कहानी को और बड़ा बना रही है। एआई के लिए उच्च क्षमता वाली कर्पुटिंग,डेटा सेंटर और उन्नत चिप की आवश्यकता होगी।

तस्वीरों और तालियों के पीछे: ब्रिक्स घोषणापत्र में क्या छुट गया?

निमिषा सिंह

नई दिल्ली में ब्रिक्स सम्मेलन हो चुका है। घोषणापत्र भी सामने है और उसमें आतंकवाद से लेकर व्यापार, युद्ध, वैश्विक संस्थाओं और आर्थिक व्यवस्था तक कई मुद्दों पर बातें दर्ज हैं। लेकिन घोषणापत्र पढ़ते हुए कुछ सवाल लगातार सामने आते हैं। आतंकवाद की कड़ी निंदा हुई, पहलगाम का जिक्र हुआ, लेकिन पाकिस्तान का नाम नहीं लिया गया। एकतरफा टैरिफ और आर्थिक दबावों पर चिंता जताई गई, लेकिन किसी देश या नेता का नाम नहीं लिया गया। गाजा पर अपेक्षाकृत स्पष्ट बात हुई, जबकि यूक्रेन संकट का अलग से कोई स्पष्ट उल्लेख नहीं है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग फिर दोहराई गई, लेकिन भारत की स्थायी सदस्यता अभी भी एक मांग ही है। तो फिर इस सम्मेलन से हासिल क्या हुआ? और उससे भी बड़ा सवाल—जो कुछ हासिल हुआ, वह कितना टिकाऊ है और कितना आने वाले दिनों में वास्तविक कार्रवाई में बदल पाएगा? ब्रिक्स की कहानी को केवल उपलब्धियों की सूची बनाकर पढ़ना आसान है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय राजनीति इतनी सीधी नहीं होती। यहां हर देश अपने हित के साथ मेज पर बैठा है। सहमति बनती है तो कई बार भाषा को नरम करना पड़ता है, कुछ बातें घुमा कर कहनी पड़ती हैं और कुछ नाम लेने से बचना पड़ता है। नई दिल्ली के घोषणापत्र को भी इसी नजर से पढ़ने की ज़रूरत है। क्योंकि इसमें जो लिखा है, वह महत्वपूर्ण है। लेकिन जो नहीं लिखा गया, वह भी

कम महत्वपूर्ण नहीं। आतंकवाद के सवाल को ही लें। घोषणापत्र में 22 अप्रैल 2025 के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा की गई है। आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ जोरो टॉलेंस की बात है। आतंकवाद के विचोषण, सुरक्षित ठिकानों और सीमा-पार आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई की ज़रूरत भी जताई गई है। लेकिन पाकिस्तान का नाम नहीं है। भारत के लिए यह सवाल स्वाभाविक है। जब पहलगाम का नाम लिया गया है और आतंकवाद के सीमा-पार आयाम की बात की गई है, तो फिर उस संदर्भ में किसी देश का नाम लेने से परहेज क्यों? इसका एक जवाब कूटनीति में छिपा है। ब्रिक्स अब कई देशों का बड़ा समूह है। इनके अपने हित और अलग-अलग आपसी रिश्ते हैं। ऐसे में सभी को एक भाषा पर सहमत करना आसान नहीं है। लेकिन दूसरा सवाल भी उठना ही ज़रूरी है। अगर समस्या की पहचान सबको है, तो उसके राजनीतिक स्रोत पर स्पष्टता लाने में इतनी हिचक क्यों? टैरिफ के मामले में भी कुछ ऐसा ही है। घोषणापत्र में एकतरफा टैरिफ और गैर-टैरिफ उपायों पर गंभीर चिंता जताई गई है। एकतरफा आर्थिक दबाव और प्रतिबंधात्मक उपायों की भी विरोध किया गया है। लेकिन इस हिस्से में किसी देश या नेता का नाम नहीं लिया गया। यहां मामला सिर्फ अमेरिका या डोनाल्ड ट्रंप का नाम लेने का नहीं है। असली सवाल उस बदलती वैश्विक व्यापार व्यवस्था का है, जिसमें टैरिफ अब केवल आर्थिक फैसला नहीं रह गए हैं। वे राजनीतिक दबाव बनाने का औजार भी बन चुके हैं। ब्रिक्स अगर

वैश्विक दक्षिण की आवाज बनने की बात करता है तो उसे यह देखना होगा कि ऐसी व्यापार नीतियों का असर विकासशील देशों पर कितना पड़ता है। छोटे देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर बढ़ती लागत का बोझ कौन उठता है? और क्या ब्रिक्स के पास इस दबाव का कोई व्यावहारिक विकल्प है? यहीं घोषणाओं और उनके प्रभाव के बीच का अंतर सामने आता है। युद्ध और संघर्ष का सवाल इससे भी ज्यादा पेचीदा है। गाजा को लेकर घोषणापत्र में युद्धविराम, मानवीय सहायता, फलस्तीनी लोगों के अधिकार और फलस्तीन की संयुक्त राष्ट्र में पूर्ण सदस्यता के समर्थन जैसी बातें दर्ज हैं। दो-राष्ट्र समाधान का भी समर्थन किया गया है। लेकिन कसीटी पर देखा जा सकता है? क्या ब्रिक्स ऐसी दुनिया में सिर्फ एक संघर्ष नहीं है? यूक्रेन भी है।

वहां लंबे समय से युद्ध चल रहा है और उसका असर यूरोप से बाहर तक पहुंचा है। ऊर्जा, खाद्य सुरक्षा और वैश्विक अर्थव्यवस्था तक इससे प्रभावित हुई है। इसके बावजूद नई दिल्ली घोषणापत्र में यूक्रेन संकट का अलग और स्पष्ट उल्लेख दिखाई नहीं देता। तो क्या हर युद्ध और हर संघर्ष को एक ही कसीटी पर देखा जा सकता है? क्या ब्रिक्स ऐसी साझा नीति बना सकता है, जो उसके सभी सदस्यों पर समान रूप से लागू हो? यह आसान नहीं है। लेकिन वैश्विक राजनीति को देखने के नजरिए हैं। चीन और भारत के बीच अपने मतभेद हैं। रूस और

पश्चिम के रिश्तों की अपनी जटिलता है। पश्चिम एशिया के देशों के बीच भी अपने हित और समीकरण हैं। ऐसे समूह में सभी को एक घोषणापत्र पर सहमत कर लेना छोटी उपलब्धि नहीं है। इसलिए केवल यह कह देना भी ठीक नहीं होगा कि घोषणापत्र को भी दोहराया है। इसलिए सम्मेलन विफल रहा। अस्पष्टता कई बार कूटनीति की कीमत होती है। बातचीत का दरवाजा खुला रखने के लिए भाषा को जानबूझकर ऐसा रखा जाता है, जिसमें कोई देश पूरी तरह पीछे हटता हुआ भी न दिखे और कोई दूसरा अपनी हार भी महसूस न करे। लेकिन यही भाषा तब सवालों के घेरे में आती है, जब वह कार्रवाई की जगह लेने लगे। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सुधार का मुद्दा भी इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण है। घोषणापत्र में सुरक्षा परिषद को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण और लोकतांत्रिक बनाने की बात कही गई है। विकासशील देशों, खासकर अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका की भूमिका बढ़ाने की मांग की गई है। चीन और रूस ने भारत और ब्राजील की सुरक्षा परिषद में बड़ी भूमिका की आकांक्षाओं के समर्थन को भी दोहराया है। यह भारत के लिए महत्वपूर्ण है। लेकिन समर्थन और सीट में फर्क होता है। भारत वर्षों से सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की मांग करता रहा है। इसलिए घोषणापत्र में सुधार की मांग और भारत की भूमिका को लेकर समर्थन निश्चित रूप से कूटनीतिक महत्व रखता है। अगर वास्तविक सुधार तभी होगा जब संयुक्त राष्ट्र की मौजूदा संरचना में सचमूच बदलाव आए। यानी यहां भी घोषणा और उपलब्धि के बीच दूरी बनी हुई है।

आर्थिक मोर्चे पर भी तस्वीर कुछ ऐसी ही है। ब्रिक्स ने स्थानीय मुद्राओं में व्यापार और सीमा-पार भुगतान के विकल्पों पर काम जारी रखने की बात कही है। यह डॉलर पर निर्भरता कम करने की दिशा में एक कदम माना जा सकता है। लेकिन किसी साझा मुद्रा या नई आर्थिक व्यवस्था बनाने जैसा कोई ठोस फैसला सामने नहीं आया। बदलाव की इच्छा है, लेकिन रास्ता अभी लंबा है। इसलिए ब्रिक्स को लेकर दो तरह की अंतियों से बचना होगा। एक तरफ इसे तत्काल पश्चिमी आर्थिक व्यवस्था का विकल्प मान लेना सीधा नहीं होगा। दूसरी तरफ इसकी हर पहल को दिखावा कह देना भी ठीक नहीं है। ब्रिक्स की ताकत उसकी विविधता में है और उसकी कमजोरी भी शायद वहीं है। इतने अलग-अलग हितों वाले देश एक साथ बैठकर कुछ मुद्दों पर सहमत होते हैं, तो यह अपने आप में महत्वपूर्ण है। लेकिन साझा भाषा और साझा कार्रवाई एक चीज नहीं है। यही फर्क हमें नई दिल्ली घोषणापत्र को पढ़ते समय याद रखना होगा। आतंकवाद के खिलाफ स्पष्ट सहमति है। एकतरफा टैरिफ और आर्थिक दबावों पर चिंता है। वैश्विक संस्थाओं में विकासशील देशों की भागीदारी बढ़ाने की मांग है। गाजा और फलस्तीन को लेकर स्पष्ट रुख है। स्थानीय मुद्राओं में व्यापार और सीमा-पार भुगतान लेकिन इन घोषणाओं की असली कसीटी आगे तय होगी। क्या आतंकवाद के खिलाफ बनी सहमति किसी ठोस अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई तक पहुंचेगी? क्या व्यापारिक दबावों के खिलाफ बनें हुई बातें विकासशील देशों को वास्तविक राहत देगी।

तस्वीरें खिंच चुकी हैं, तालियां बज चुकी हैं और नई दिल्ली में संपन्न हुए ब्रिक्स सम्मेलन का आधिकारिक घोषणापत्र भी दुनिया के सामने है। आतंकवाद से लेकर व्यापार, वैश्विक संस्थाओं और भू-राजनीतिक संघर्षों तक—इस दस्तावेज़ में मुद्दे का एक लंबा फेहरिस्त मौजूद है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय राजनीति की सतह के नीचे हमेशा एक ओर धारा बहती है। सवाल यह नहीं है कि मंच से क्या कहा गया, बल्कि असली सवाल यह है कि किन नामों को लेने से परहेज किया गया, किन संकटों पर चुप्पी साधी गई और कूटनीतिक समझौते को इस वाद के नीचे कौन से राव छिपाए गए? नई दिल्ली का यह घोषणापत्र अपनी खूबियों के साथ-साथ कई अनकहे सवालों को भी पीछे छोड़ गया है, जिन्हें टटोले बिना इस सम्मेलन के वास्तविक मायने समझ पाना अधूरा होगा।

संक्षिप्त समाचार

छात्रा की मौत के बाद खाली हुआ हॉस्टल
छात्र-छात्राएं परिजनों के साथ अपने घर गए, पुलिस जांच में जुटी



मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम के सीलाना स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय स्कूल की 12वीं की छात्रा वर्षा सोलंकी की मौत के बाद हॉस्टल में रहने वाले छात्र-छात्राएं अपने परिजनों के साथ घर चले गए। छात्रा की मौत के दूसरे दिन बुधवार शाम तक पूरा हॉस्टल खाली हो गया। इससे हॉस्टल में सननाटा पसरा है। इधर, पुलिस छात्रा की मौत के मामले की जांच कर रही है। छात्रा देवास जिले के मेवाड़ पथ की रहने वाली थी। उसने मंगलवार को हॉस्टल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। इससे पहले वह छमाही परीक्षा में अर्थशास्त्र विषय का आखिरी पेपर देने गई थी। परीक्षा के दौरान छात्राओं की जांच में उसके पास तकल की पर्ची मिलने की बात सामने आई। चेकिंग कर रही शिक्षिका प्रीति लांबा ने उसे परीक्षा से बाहर कर हॉस्टल भेज दिया था। इसके बाद उसने हॉस्टल में जाकर फांसी लगा ली।

कक्षा 6 से हॉस्टल में रहकर पढ़ रही थी: वर्षा कक्षा 6 से ही हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रही थी। उसका भाई आकाश भी इसी हॉस्टल में रहकर कक्षा 10वीं में पढ़ाई करता है।

रूममेट्स के पहुंचने पर घटना का पता चला: परीक्षा खत्म होने के बाद जब उसकी रूममेट छात्राएं हॉस्टल पहुंचीं तो वर्षा फंदे पर लटकी मिली। घटना के बाद परिजन और विद्यार्थियों ने मंगलवार रात स्कूल के बाहर प्रदर्शन किया था। उन्होंने हॉस्टल के दौरान स्कूल प्रिंसिपल और परीक्षा के दौरान चेकिंग करने वाली शिक्षिका को हटाने के साथ आर्थिक सहायता देने की मांग की थी।

सेवा संकल्प अभियान के तहत विदिशा जिले में वृहद रक्तदान शिविर आयोजित



मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में क्रियान्वित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विदिशा जिले में गुरुवार 17 सितंबर को वृहद स्तर पर रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया। जिले के विभिन्न शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में आयोजित इन शिविरों में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों, स्वास्थ्य विभाग के अमले तथा मेडिकल कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और रक्तदान के प्रति लोगों को जागरूक किया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रमरहित कुमार ने बताया कि जिले में कुल आठ स्थानों पर रक्तदान शिविर आयोजित किए गए।

रतलाम 8 लेन पर चंडीगढ़ लेबल वाली शराब बिखरी मिली

बोतलों पर पैकिंग सील नहीं, कार के टूटे पार्ट्स और नंबर प्लेट जल

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम से गुजर रहे दिल्ली-मुंबई 8 लेन एक्सप्रेस-वे पर मंगलवार रात धामनौद टोल नाके से कुछ दूर आगे सड़क के दोनों हिस्सों के बीच अवैध अंग्रेजी शराब के क्वार्टर बिखरे मिले। शराब की बोतलों पर चंडीगढ़ का लेबल लगा है और ढक्कनों पर पैकिंग सील नहीं है। मौके से कार के टूटे पार्ट्स और दो अलग-अलग चार पहिया वाहनों की नंबर प्लेट भी मिली हैं। पुलिस को आशंका है कि शराब तस्करी के दौरान वाहन दुर्घटनाग्रस्त हुआ और शराब सड़क किनारे बिखर गई। पुलिस ने 924 क्वार्टर यानी 166.32 बल्क लीटर शराब जब्त की है, जिसकी कीमत 1 लाख 30 हजार 540 रुपए बताई गई है। मामले में अज्ञात आरोपी के खिलाफ आवकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत केस दर्ज किया गया है।

गड्डे और पेड़ के पास बिखरी मिली शराब: मंगलवार रात करीब 1 बजे थाना औद्योगिक क्षेत्र पुलिस को 8 लेन पर नाइट मॉनिटरिंग करने वाले स्टाफ ने दोनों सड़क के बीच शराब की बोतलें बिखरी होने की सूचना दी। इसके बाद एएसआई दिनेश कुमार मावी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। डेलनपुर के पास एक खम्भे के पास गड्डे और टूटे पेड़ के आसपास ऑल



सीजन और रॉयल चैलेंज ब्रांड के क्वार्टर बिखरे मिले। कुछ क्वार्टर प्लास्टिक के दो कट्टों में भी रखे हुए थे।

1 लाख से ज्यादा की शराब जलत: पुलिस ने शराब की गिनती की तो ऑल सीजन के 688 और रॉयल चैलेंज के 236 क्वार्टर मिले। ऑल सीजन के प्रत्येक क्वार्टर पर 140 रुपए और रॉयल चैलेंज के प्रत्येक क्वार्टर पर 145 रुपए कीमत लिखी थी। पुलिस के अनुसार कुल 166.32 बल्क लीटर शराब मिली, जिसकी कीमत 1 लाख 30 हजार 540 रुपए है। बोतलों पर चंडीगढ़ का लेबल लगा है। पुलिस के मुताबिक बोतलों के ढक्कनों पर पैकिंग सील नहीं थी।

कार के टूटे पार्ट्स और दो नंबर प्लेट मिलीं: बुधवार दोपहर थाना प्रभारी गायत्री सोनी और सब इंस्पेक्टर ध्यानसिंह सोलंकी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। टीम ने उस जगह की दोबारा जांच की, जहां झाड़ियों के बीच शराब मिली थी। मौके से चार पहिया वाहन के आगे के हिस्से के टूटे पार्ट्स मिले। इसके अलावा दो अलग-अलग चार पहिया वाहनों की नंबर प्लेट भी मिली हैं। इनमें से एक नंबर प्लेट जयपुर के वाहन की बताई जा रही है। पुलिस को मौके पर वाहन के सड़क से नीचे उतरने, पेड़ से टकराने और फिर रिवर्स लेने के पहियों के निशान भी मिले। एक पेड़ भी टूटा हुआ मिला है।

पिकअप से 100 किलो डोडाचूरा जब्त, चालक फरार

हतई फंटे पर पुलिस नाकाबंदी देख मोड़ा वाहन, एरी के पास छोड़कर भागा



मीडिया ऑडीटर, गरोट (निप्र)। शामगढ़ पुलिस ने बुधवार रात ग्राम एरी के पास एक बोलरो पिकअप से 100 किलो डोडाचूरा जब्त किया है। पुलिस को देखकर चालक पिकअप मोड़कर भागा और पीछा करने पर वाहन छोड़कर अंधेरे में खेतों की तरफ फरार हो गया।

सहायक उप निरीक्षक रूप सिंह झाला को सूचना मिली कि सफेद बोलरो पिकअप से डोडाचूरा ले जाया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने हतई फंटे के पास नाकाबंदी की। पुलिस को देखकर चालक ने पिकअप वापस मोड़कर भागने की कोशिश की।

एरी के पास वाहन छोड़कर खेतों में भागा: पुलिस ने पिकअप का पीछा किया। ग्राम एरी के पास चालक ने वाहन छोड़ दिया और अंधेरे का फायदा उठाकर खेतों की तरफ भाग गया। पुलिस ने पिकअप क्रमांक MP14ZH1413 को कब्जे में लेकर तलाशी ली। तलाशी में पिकअप के अंदर पांच बोरियों में 100 किलो डोडाचूरा मिला। पुलिस के अनुसार, जल्ट डोडाचूरा की कीमत करीब 2 लाख रुपए और पिकअप की कीमत करीब 8 लाख रुपए है।

बोतलों पर पैकिंग सील नहीं, कार के टूटे पार्ट्स और नंबर प्लेट जलत

● शराब तस्करी के दौरान हादसे की आशंका

पुलिस को आशंका है कि रात में कार से अवैध रूप से शराब ले जाई जा रही थी। इसी दौरान कार सड़क से नीचे उतरकर पेड़ से टकराई होगी, जिससे शराब बिखर गई। इसके बाद पुलिस की भनक लगने पर अज्ञात आरोपी कार लेकर मौके से निकल गया होगा। हालांकि यह पूरा घटनाक्रम अभी पुलिस की जांच का हिस्सा है। मौके पर कोई वाहन नहीं मिला है, इसलिए कार किसकी थी और शराब कहां से लाई जा रही थी, इसका पता लगाया जा रहा है।

● आसपास के ग्रामीणों के शराब ले जाने की भी आशंका

पुलिस को यह भी आशंका है कि रात में बड़ी मात्रा में शराब बिखरी होगी और अंधेरे का फायदा उठाकर आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के कुछ लोग शराब के क्वार्टर उठाकर ले गए होंगे। पुलिस अब आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में पूछताछ करेगी। आवकारी विभाग को भी सूचना दी गई है। विभाग की टीम ग्रामीण क्षेत्रों में ऑल सीजन और रॉयल चैलेंज ब्रांड की शराब को लेकर जानकारी जुटाएगी।

● सीसीटीवी में दिखाई सफेद किआ कार

पुलिस ने प्राथमिक तौर पर 8 लेन पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी है। इसमें रात के समय सफेद रंग की एक किआ कार गुजरती दिखाई दी है। पुलिस अब फुटेज की विस्तृत जांच कर रही है। इससे यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि शराब मौके तक कैसे पहुंची और क्या सीसीटीवी में सदिग्ध वाहन की आगे की गतिविधि भी दिखाई देती है।

● फोरेंसिक और लैब जांच के लिए भेजे जाएंगे सैंपल

थाना प्रभारी गायत्री सोनी ने बताया कि 8 लेन के मॉनिटरिंग स्टाफ से रात में शराब बिखरी होने की सूचना मिली थी। मौके पर टीम पहुंची, लेकिन कोई वाहन नहीं मिला। घटनास्थल पर वाहन दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि चंडीगढ़ लेबल वाली अलग-अलग ब्रांड की शराब जब्त की गई है। बोतलों पर पैकिंग सील नहीं है।

मंदसौर में 24 घंटे से बारिश नहीं:सीजन में 28.60 इंच बरसात 17 से 20 सितंबर तक हल्का पानी गिरने की संभावना



852.0 मिमी बारिश दर्ज हुई है। मल्हारगढ़ में 795.4, शामगढ़ में 787.8, सुवाकरा में 785.1, भानपुरा में 756.6, गरोट में 672.2, कयामपुर में 619.5 और सीतामऊ में 494.0 मिमी बारिश दर्ज की गई है।

17 से 20 सितंबर तक ऐसा रहेगा मौस: 17 सितंबर को बादल-धूप के बीच कुछ क्षेत्रों में हल्की बारिश या गरज-चमक होने की संभावना है। तापमान करीब 30 डिग्री तक पहुंच सकता है। 18 सितंबर को फिर बारिश के

➡ बदलते मौसम में वायरल संक्रमण के मरीज बढ़े

मौसम में बार-बार हो रहे बदलाव का असर स्वास्थ्य पर भी दिखाई दे रहा है। जिला अस्पताल के डॉ. आकाश चौधरी के अनुसार तापमान में उतार-चढ़ाव के कारण संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। इन दिनों सर्दी-जुकाम, खांसी, वायरल फीवर और गले के संक्रमण के मरीज सामने आ रहे हैं। दस्त और पेट दर्द की शिकायत वाले मरीज भी अस्पताल पहुंच रहे हैं। चिकित्सकों ने बदलते मौसम में सावधानी बरतने की सलाह दी है। मच्छरों से बचाव के साथ साफ पानी पीने और ताजा भोजन करने पर जोर दिया गया है। पानी को उबालकर पीना बेहतर रहेगा। यदि बुखार दो-तीन दिन तक बना रहता है तो बिना देरी किए चिकित्सकीय परामर्श लेने की सलाह दी गई है।

आसार हैं और तापमान 27 से 28 डिग्री के आसपास रह सकता है। 19 सितंबर को बारिश की संभावना कम रहेगी और तापमान करीब 29 डिग्री रहने का अनुमान है। 20 सितंबर को तापमान 30 डिग्री तक पहुंच सकता है। बादल बने रहने के साथ कुछ क्षेत्रों में बारिश हो सकती है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार प्रदेश में सक्रिय मानसूनी सिस्टम का असर अब धीरे-धीरे कमजोर होम की संभावना है। हालांकि स्थानीय मौसम सिस्टम के प्रभाव से मंदसौर सहित पश्चिमी मध्यप्रदेश के कुछ हिस्सों

में हल्की बारिश का दौर जारी रह सकता है। उत्तर-पश्चिमी भारत से दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी की प्रक्रिया करीब 19 सितंबर से शुरू होने के संकेत हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि मंदसौर में तत्काल बारिश पूरी तरह बंद हो जाएगी। बुधवार को गांधीसागर बांध का जलस्तर 1301.63 फीट दर्ज किया गया। पिछले साल इसी तारीख को बांध का जलस्तर 1309.72 फीट था। इस तरह इस साल समान तारीख की तुलना में बांध का जलस्तर 8.09 फीट कम है।

खाद्य प्रतिष्ठानों में खाद्य सुरक्षा प्रशासन की कार्टवाई, लिए गए खाद्य पदार्थों के नमूने



मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन, जिला विदिशा द्वारा जिले में होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा एवं मिठाई प्रतिष्ठानों का सतत निरीक्षण किया जा रहा है। अभियान के तहत खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, प्रतिष्ठानों में स्वच्छता एवं साफ-सफाई तथा खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुपालन की जांच की जा रही है। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा 15 सितंबर को विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान डॉमिनोज पिज्जा, अव्यक्त रेस्टोरेंट एवं रजवाड़ी स्वीट्स का निरीक्षण किया गया। अव्यक्त रेस्टोरेंट से पनीर एवं आटा तथा रजवाड़ी स्वीट्स से रसगुल्ला के नमूने जांच हेतु लिए गए। इसी प्रकार 16 सितंबर को खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा ढाबा आशियाना, कल्लू का ढाबा, होटल सयाजी एवं हवेली रेस्टोरेंट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ढाबा आशियाना से चिकन कुरी एवं मटन कुरी के नमूने जांच हेतु लिए गए।

धान खेत में मिला बुजुर्ग किसान का शव

डॉक्टर ने जताई हार्ट अटैक की आशंका, पीएम में देरी पर भड़के परिजन

मीडिया ऑडीटर, पिपरिया (निप्र)।

पिपरिया के सेमरी तला गांव में बुधवार शाम 60 साल के एक किसान का शव धान के खेत में कीचड़ और पानी के बीच मिला। इससे इलाके में हड़कंप मच गया। गुरुवार को सरकारी अस्पताल में पोस्टमार्टम में देरी होने पर परिजनों ने नाराजगी जताई। डॉक्टरों ने किसान की मौत हार्ट अटैक से होना बताया है। दोपहर 12 बजे पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। साड़ियां पुलिस चौकी प्रभारी अमित भारद्वाज ने बताया कि सेमरी तला निवासी काशीराम किरार (60 वर्ष) पिता नन्हेवीर किरार का शव धान के खेत में मिला है। पुलिस ने मार्ग कायम कर गुरुवार को पोस्टमार्टम कराया। मृतक के बेटे गोलू पटेल ने बताया कि उनके पिताजी बुधवार को मवेशी चराने



घर से निकले थे। शाम को खेत में उनका शव मिलने की सूचना मिली। मृतक के तीनो बेटे गोलू पटेल, बृजेश और राजकुमार ने पिता के पोस्टमार्टम में घंटों देरी होने पर नाराजगी जताई। दोपहर 12 बजे परिजन शव लेकर गांव रवाना हुए।

सिर्फ 4 फीट गहरे गड्ढे में मिले:

चौकी प्रभारी अमित भारद्वाज ने बताया कि घटनास्थल के निरीक्षण में पता चला कि किसान दो खेतों के बीच बनी मेड़ से जा रहा था। अचानक उसका पैर फिसला और वह करीब 4 फीट नीचे धान के खेत में कीचड़-पानी में गिर गया।

आलीराजपुर में कई जगह रुक-रुककर बूढ़ाबांदी

बादलों की आवाजाही से मौसम सुहाना, गर्मी से मिली राहत



मीडिया ऑडीटर, आलीराजपुर (निप्र)। आलीराजपुर जिले में गुरुवार को मौसम का मिजाज बदल गया। सुबह से आसमान में बादल छाप रहे और जिले के कई इलाकों में रुक-रुककर हल्की बूढ़ाबांदी हुई। बारिश तेज नहीं थी, लेकिन दिनभर मौसम में बदलाव बना रहा। बूढ़ाबांदी से तापमान में गिरावट आई और लोगों को उमस व गर्मी से राहत मिली। आलीराजपुर शहर और जिले के कई ग्रामीण इलाकों में भी बादल आते-जाते रहे। कुछ जगहों पर थोड़ी देर बूढ़ाबांदी हुई, फिर बारिश रुक गई। कुछ समय बाद दोबारा बूढ़ाबांदी शुरू हो गई। रुक-रुककर हो रही बारिश से मौसम सुहाना बना रहा। हालांकि, तेज बारिश नहीं होने से कहीं भी पानी जमा नहीं हुआ।

नगर में होती तेज बारिश: मौसम में आए इस बदलाव को किसान भी उम्मीद से देख रहे हैं। खरीफ फसलों के लिए यह बारिश फायदेमंद मानी जा रही है। खेतों में फसलों को पानी की जरूरत है, ऐसे में रुक-रुककर हो रही बूढ़ाबांदी से नमी बनी रहने की उम्मीद है। ग्रामीण इलाकों के किसान मौसम पर नजर बनाए हुए हैं।

जिले में अब तक 17 इंच से ज्यादा बारिश: आलीराजपुर जिले में 1 जून से सितंबर के मध्य तक औसतन 16 से 17.57 इंच यानी करीब 446 मिमी बारिश दर्ज की गई है। गुरुवार को भी जिले के कई हिस्सों में रुक-रुककर बूढ़ाबांदी हुई।

एशियाई खेलों में भारत को कई स्वर्ण पदक मिलन की उम्मीदें

नई दिल्ली ,एजेसी। 19 सितंबर से जापान में शुरू होने जा रहे एशियाई खेलों में भारत को भी काफी पदकों की उम्मीद है। उसके कई खिलाड़ी स्वर्ण के भी दावेदार हैं। एशियाई खेलों में साल 2022 में भारत ने 28 स्वर्ण सहित कुल 106 पदक जीते। इस बार, भारतीय दल का लक्ष्य और बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। भारतीय दल पिछली उपलब्धियों को दोहराते हुए अपने स्वर्ण पदकों की संख्या को भी बढ़ाना चाहता है। भारतीय पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों इस बार भी अपने खिताब बनाये रखन चाहेंगी। इसी प्रकार भारतीय कबड्डी टीम भी विजेत न होने के कारण स्वर्ण पदक बरकरार रखने की पूरी उम्मीद करेंगी। इसे अलावा कई व्यक्तिगत एथलीट भी हैं जिनसे स्वर्ण पदक की उम्मीदें हैं। कंपाउंड तीरंदाजी में भारत की सबसे मजबूत दावेदार

ज्योति सुरेखा वेन्मन हैं, जिन्होंने 2022 हांगझोउ गेम्स में तीन स्वर्ण पदक जीते थे। उनके साथ, धीरज बोम्मादेवरा ने तीरंदारी विश्व कप जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष बनकर इतिहास रचा है, और 2026 अंताल्या विश्वकप में भी स्वर्ण पदक जीता है। इससे वह पुरुष रिकर्व तीरंदाज के तौर पर एक प्रमुख दावेदार बन जाते हैं। वहीं बैडमिंटन में, पूर्व विश्व चैंपियन और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु से काफी उम्मीदें हैं। उन्होंने अपने करियर में कई रिकॉर्ड बनाए हैं और कई पदक जीते हैं, और अब एशियन गेम्स 2026 का स्वर्ण पदक उनकी सूची में अगला लक्ष्य होगा। पुरुषों के एकल में लक्ष्य सेन भी स्वर्ण के मजबूत उम्मीद हैं। उन्होंने 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक पदक जीता था और उसी साल थॉमस कप जीतने में

भी अहम भूमिका निभाई थी। वहीं निशानेबाज में, मनु भाकर से भी स्वर्ण की उम्मीदें हैं। वह भारत की एक ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट हैं। उनके साथ, ईशा सिंह भी अच्छी फॉर्म में हैं। ईशा महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल में दुनिया की नंबर 1 और 10 मीटर एयर पिस्टल में नंबर 2 खिलाड़ी हैं। उन्होंने हांगझोउ में दो व्यक्तिगत रजत पदक और एक टीम स्वर्ण पदक भी जीता था। वेटलिफ्टिंग में, मीराबाई चानू, 49 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण की पबल दावेदार हैं। कुश्ती में, सुजीत कलकल 65 किलोग्राम वर्ग, और अमन सेहरावत, 57 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक के दावेदार हैं। एथलेटिक्स में, अविनाश साबले 3000 मीटर स्टीपलचेज में पदक के प्रबल दावेदार हैं।



शुभमन की कप्तानी में वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए तैयार है भारतीय टीम

केएल राहुल को उपकप्तानी की जिम्मेदारी

मुम्बई ,एजेसी। भारतीय क्रिकेट टीम शुभमन गिल की कप्तानी और केएल राहुल की उपकप्तानी में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए उतरेंगी। वहीं इससे पहले बीसीसीआई चयन समिति (बीसीसीआई) ने इस सीरीज के लिए जो टीम घोषित की है। उसमें अनुभवी और युवाओं दोनों को ही जगह मिली है। इस सीरीज में मध्यक्रम की जिम्मेदारी बल्लेबाज केएल राहुल के कंधों पर होगा। इसका कारण है कि एकदिवसीय प्रारूप में राहुल का रिकॉर्ड बेहद शानदार रहा है; अब तक खेले गए मुकाबलों में उनके बल्ले से करीब पचास से अधिक की औसत से रन निकले हैं, जिसमें 7 शतक और 25 से अधिक अर्धशतक शामिल हैं। मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने चार और पांच नंबर पर भारतीय टीम को जबर्दस्त मजबूती दी है। इस सीरीज में उन पर केवल रन बनाने की जिम्मेदारी नहीं होगी, बल्कि शुभमन के साथ मिलकर टीम को सही दिशा में आगे बढ़ाने और युवा खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करने की भूमिका भी रहेगी। विकेटकीपिंग के विकल्प के रूप में भी राहुल पहली पसंद बने रहेंगे, जबकि युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को बैक-अप विकेटकीपर के तौर पर टीम में शामिल किया गया है। टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को फिटनेस कारणों से शामिल नहीं किया गया है। राष्ट्रीय चयन समिति ने साफ कर दिया है कि उन्हें राष्ट्रीय टीम में सीधे पंटी नहीं मिलेगी। हार्दिक पंड्या को भारतीय सीनियर टीम में जगह बनाने के लिए पहले भारत ए के लिए खेलकर अपनी मैच-फिटनेस साबित करनी होगी। चयनकर्ताओं का नियम स्पष्ट है कि हार्दिक को एक मैच में कम से कम 10 ओवर गेंदबाजी करके अपनी फिटनेस का प्रमाण देना होगा, जिसके बाद ही एकदिवसीय टीम में उनकी वापसी पर विचार किया जाएगा। हार्दिक के अलावा स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी अलग-अलग कारणों से इस वनडे सीरीज से बाहर रहे हैं, जिससे भारतीय वनडे ऑलराउंडर विभाग में रवींद्र जडेजा और युवा नितीश कुमार रेड्डी पर जिम्मेदारी बढ़ गई है। अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गजों की मौजूदगी भारतीय बल्लेबाजी लाइन-अप को मजबूती प्रदान करती है। इन दोनों अनुभवी बल्लेबाजों के साथ युवा यशस्वी जायसवाल, रतुराज गायकवाड़ और नमन धीर को शामिल कर टीम के बैक-अप को काफी मजबूत बनाया गया है। गेंदबाजी आक्रमण की बात करें तो तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की गैरमौजूदगी के बावजूद भारत का पेस और स्पिन अटैक आक्रमण धावरार नजर आ रहा है। तेज गेंदबाजी का नेतृत्व मोहम्मद सिराज करेंगे, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 70 से अधिक एकदिवसीय विकेट लिए हैं। उनके साथ प्रसिद्ध कृष्णा और यूनरु बरार को शामिल किया गया है, जबकि आकिब नबी को पहली बार राष्ट्रीय टीम का बुलावा मिला है। स्पिन विभाग की जिम्मेदारी चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव और अनुभवी रवींद्र जडेजा के हाथों में होगा। भारत और वेस्टइंडीज के बीच 27 सितंबर से तीन वनडे मैचों की इस सीरीज का आगाज तिरुवनंतपुरम में होगा।

मध्यप्रदेश की मान्या मिश्रा का भारतीय ताइक्वांडो टीम में चयन

भोपाल/इंदौर ,एजेसी। मध्यप्रदेश राज्य ताइक्वांडो अकादमी की खिलाड़ी मान्या मिश्रा का चयन आईएसएफ जिम्मेसियाड वर्ल्ड स्कूल गेम्स-2026 के लिए भारतीय टीम में हुआ है। वे 3 से 8 दिसंबर तक ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में होने वाली प्रतियोगिता के अंडर-63 किलोग्राम भारवर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। मान्या का चयन 14 और 15 सितंबर को रायपुर में आयोजित एसजीएफआई चयन ट्रायल में उनके प्रदर्शन के आधार पर हुआ। वे प्रतियोगिता में ताइक्वांडो के अंडर-63 किलोग्राम वर्ग में भारत की ओर से हिस्सा लेंगी। आईएसएफ जिम्मेसियाड वर्ल्ड स्कूल गेम्स में विभिन्न देशों के स्कूली खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं। रियो डी जेनेरियो में होने वाली इस प्रतियोगिता में मान्या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

● खेल मंत्री सारंग जे दी बधाई ●

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने मान्या के भारतीय टीम में चयन पर बधाई देते हुए प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों का राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। मान्या का चयन अन्य युवा खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणादायी है। मंत्री ने उम्मीद जताई कि मान्या अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कर देश और मध्यप्रदेश का नाम रोशन करेंगी।

पंड्या को फिटनेस और वर्कलोड के कारण नहीं मिली भारतीय टीम में जगह

मुम्बई ,एजेसी। भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों को उस समय झटका लगा जब वेस्टइंडीज के खिलाफ इस माह के अंत में शुरू हो रही एकदिवसीय और टी20 टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को जगह नहीं मिली जबकि लंबे समय से चोटों और फिटनेस संबंधी चिंताओं से जूझ रहे हार्दिक की इस सीरीज के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी को उम्मीद थी पर चयनकर्ताओं ने उन्हें टीम में शामिल नहीं किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनकी फिटनेस और गेंदबाजी के वर्कलोड से जुड़ी सीमाएं ही उनके बाहर रहने की सबसे बड़ी वजह हैं। यह वेस्टइंडीज दौरा भारत के लिए तीन एकदिवसीय और पांच टी20 ह्यू मैचों का होगा, जो भारतीय चयनकर्ताओं के लिए 2027 एकदिवसीय विश्व कप की तैयारियों और खिलाड़ियों की फिटनेस का आकलन करने के लिहाज से महत्वपूर्ण है। एकदिवसीय सीरीज की शुरुआत 27 सितंबर को तिरुवनंतपुरम में होगी, जिसके बाद मुकाबले गुवाहाटी और न्यू चंडीगढ़ में खेले जाएंगे। वहीं, टी20 सीरीज 6 अक्टूबर को लखनऊ में होगा। हार्दिक का चयन न होने पर उनके प्रशंसकों में सवाल उठने लगे थे, क्योंकि बीसीसीआई की ओर से उनके बाहर रहने की कोई आधिकारिक वजह नहीं बताई गई थी, जिससे कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। वहीं रिपोर्ट्स के अनुसार, हार्दिक अभी एक मुकाबले में छह ओवर से ज्यादा गेंदबाजी करने की स्थिति में नहीं हैं। उनकी यह शारीरिक सीमा टीम चयन में एक बड़ी बाधा बनकर सामने आई है। भारतीय टीम में हार्दिक सीम गेंदबाजी ऑलराउंडर की अहम भूमिका निभाते हैं, खासकर एकदिवसीय क्रिकेट में उनसे पूरे 10 ओवर गेंदबाजी करने और पूरे 50 ओवर तक मैदान पर उपस्थित रहने की उम्मीद की जाती है। चयनकर्ता चाहते हैं कि हार्दिक वरिष्ठ टीम में



वापसी से पहले इस वर्कलोड को आराम से संभालने में सक्षम हों, ताकि उनकी वापसी दीर्घकालिक और प्रभावी हो सके। उनकी लगातार चोटों का इतिहास देखते हुए, चयनकर्ता कोई जोखिम नहीं लेना चाहते। वेस्टइंडीज सीरीज से बाहर होने के बावजूद, हार्दिक पंड्या को ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ अक्टूबर में शुरू होने वाली वनडे सीरीज के लिए भारत ए टीम में शामिल किया गया है। यह फैसला उनके वर्कलोड और फिटनेस पर करीब से नजर रखने के उद्देश्य से लिया गया है। इस दौर के दौरान चयनकर्ता यह सुनिश्चित करना चाहेंगे कि हार्दिक बिना किसी परेशानी के पूरे 10 ओवर गेंदबाजी कर सकें और पूरे 50 ओवर तक फील्डिंग की चुनौतियों का सामना कर सकें।

वाराणसी में भी होंगे डब्ल्यूपीएल के लीग मुकाबले

वाराणसी ,एजेसी। आने वाले समय में वाराणसी में भी महिला क्रिकेट लीग (डब्ल्यूपीएल) के मुकाबले हो सकते हैं। इसके अलावा आईपीएल मुकाबले होने की भी संभावना बन सकती है। एक रिपोर्टों के अनुसार कलात्मक थीम पर बने वाराणसी के अत्याधुनिक स्टेडियम में इन मैचों का आयोजन होगा। इससे उत्तर प्रदेश की उभरती प्रतिभाओं को लाभ मिलने के साथ ही यहां तेजी से खेल का विकास होगा। डब्ल्यूपीएल संचालन परिषद की हाल में हुई बैठक में मुंबई (सीसीआई) और वडोदरा के साथ वाराणसी को भी लीग के आगामी सत्र के लिए संभावित आयोजन स्थलों के रूप में रखा गया है। ये मैच अगले साल जनवरी और फरवरी में आयोजित होने हैं, जबकि आईपीए का आयोजन मार्च से मई तक होता है। मुंबई और

वडोदरा को 2027 में होने वाली आईसीसी महिला चैंपियंस ट्रॉफी के मुकाबलों की मेजबानी भी करनी



ऋषभ का एकदिवसीय करियर समापन की ओर

वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में बैकअप के तौर पर भी नहीं मिला

मुम्बई ,एजेसी। आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत का एकदिवसीय करियर समाप्त होता दिख रहा है। वेस्टइंडीज के खिलाफ इसी माह होने वाली एकदिवसीय सीरीज के लिए ऋषभ का चयन ने होने से साफ है कि चयनकर्ता अब उनसे आगे बढ़ गये हैं। 27 सितंबर से शुरू हो रही इस सीरीज के लिए इस बल्लेबाज को नजरअंदाज किया गया है, जबकि एशियाई खेलों के कारण कई नियमित खिलाड़ी टीम से बाहर हैं। इसके बाद भी ऋषभ को टीम में बैकअप विकेटकीपर के तौर पर जगह नहीं मिलना दिखाता है कि उनकी जगह युवा ध्रुव जुलुल को मिल गयी है। चयनकर्ताओं ने तीन मैचों



की एकदिवसीय सीरीज के लिए बैकअप विकेटकीपर के तौर पर युवा ध्रुव जुलुल को चुना है, जो स्पष्ट संकेत देता है कि ऋषभ अब एकदिवसीय टीम की प्राथमिकताओं में नहीं हैं। यह कदम एक ऐसे समय में उठाया गया है जब टीम को कई प्रमुख खिलाड़ियों की कमी

बल्लेबाजी करने के साथ-साथ बेहतरीन विकेटकीपिंग भी कर रहे हैं। उन्होंने लंबे समय से इस भूमिका को बखूबी निभाया है। ऋषभ के प्रदर्शन में कमी के कारण ही राहुल को यह मौका मिला था, जिसे उन्होंने दोनों हाथों से भुनाया। इसी कारण वह मुख्य विकेटकीपर से बैकअप बन गए, और अब तो उन्हें टीम से पूरी तरह बाहर कर दिया गया है। ऋषभ ने अपना आखिरी एकदिवसीय साल 2024 में श्रीलंका के खिलाफ खेला था, जिसमें वे केवल 6 रन बना पाये थे। वेस्टइंडीज के खिलाफ यह आगामी सीरीज ऋषभ पंत के एकदिवसीय करियर में वापसी का एक सुनहरा मौका बन सकती थी।

क्रिकेटर पृथ्वी शॉ की सगाई टूटी, मंगेतर आकृति अग्रवाल ने अलग होने की घोषणा की

नई दिल्ली ,एजेसी। भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ की पेशेवर जिंदगी के साथ-साथ निजी जिंदगी भी मुश्किलों से गुजर रही है। पृथ्वी एक बार फिर से अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। पृथ्वी की मंगेतर आकृति अग्रवाल ने सोशल मीडिया के माध्यम से उनसे अलग होने की जानकारी साझा की है। आकृति ने इंस्टाग्राम के जरिए पृथ्वी शॉ से अलग होने की जानकारी दी। उन्होंने लिखा, ‘भारी मन से, मैं यह बताना चाहती हूँ कि मेरे मंगेतर और मैंने अपने भविष्य के लिए अलग-अलग लक्ष्यों और हालात की वजह से अलग होने का फैसला किया है। हम एक-दूसरे से जितना प्यार और परवाह करते हैं, हमने यह मान लिया है कि हमारे रास्ते साथ रहने के लिए नहीं बने हैं। अपनी जिम्मेदारियों और अभी जिन हालात का हम सामना कर रहे हैं, उन्हें देखते हुए हमने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है।’ आकृति ने आगे लिखा, ‘मैं सच में हम दोनों के लिए आगे बढ़ने के लिए सबसे अच्छी शांति और खुशी की कामना करती हूँ। मैं सभी से अनुरोध करती हूँ कि इस मुश्किल समय में हमारी निजता का सम्मान करें और हमारे फैसले के पीछे के कारणों के बारे में अंदाजा लगाने से बचें। हमारी जगह को समझने और उसका सम्मान करने के लिए धन्यवाद।

अभिषेक शर्मा आईसीसी टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंचे



मुम्बई ,एजेसी। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में लंबी छलांग लगाते हुए दूसरे स्थान पर पहुंच गये हैं। अभिषेक के अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 अंतराष्ट्रीय सीरीज में बेहतर प्रदर्शन का लाभ मिला है। ताजा जारी रैंकिंग में अभिषेक दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं, जिन्होंने इस दौरान पाकिस्तानी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान को पीछे छोड़ दिया है। अब अभिषेक नंबर-1 स्थान पर कायम अपने ही देश के ईशान किशन से केवल 5.1 रेटिंग अंक पीछे हैं। वहीं संजु सैमसन की रैंकिंग में भी सुधार आया है। अभिषेक ने अफगानिस्तान के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में केवल 32 गेंदों पर धुआंधार 82 रनों की पारी खेलकर अपनी बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया था। इसके बाद दूसरे मैच में भी उन्होंने 19 गेंदों में 39 रन की तेज पारी खेली, जो उनकी लगातार बेहतरीन फॉर्म का प्रमाण है। इन दोनों पारियों से उनकी रैंकिंग में तेजी आयी है। उन्होंने पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान को पछाड़कर यह दूसरा स्थान हासिल किया है। वहीं भारत के ही ईशान किशन शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। इस प्रकार पहले दो स्थान पर भारतीय बल्लेबाज छाये हुए हैं।

है, ऐसे में संभावना है कि वाराणसी को लीग के अधिक मैचों की मेजबानी मिल सकती है। यह वाराणसी के गंजारी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी, जो अभी अपने अंतिम चरण में है और इसे जल्द ही क्रिकेट के रोमांच के लिए तैयार माना जा रहा है।

बीसीसीआई की योजना के अनुसार, इस नए स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय मैचों की शुरुआत से पहले, सबसे पहले घरेलू स्तर पर रणजी ट्रॉफी के मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। यह अक्टूबर-नवंबर के आसपास हो सकता है, जिससे नई पिच और मैदान की गुणवत्ता तथा तैयारियों का गहराई से आकलन किया जा सके। रणजी ट्रॉफी के आयोजन से स्टेडियम की सुविधाओं और संचालन की दक्षता का भी अंदाजा हो जाएगा।

एशिया कप बार बार बेइज्जत हुए नकवी के समर्थन में आये पूर्व पाक क्रिकेटर



कराची ,एजेसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के प्रमुख मोहसिन नकवी को बार-बार बेइज्जत होने की आदत सी पड़ गयी है। पिछले एक साल में ही दो बार भारतीय टीम ने उनसे ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया पर वह अभी तक सुधरने का नाम नहीं ले रहे। यहां तक की वह जानते थे कि उनसे ट्रॉफी नहीं ली जाएगी फिर उन्होंने ये जिम्मेदारी किसी और को नहीं दी। वहीं पाक के मीडिया और दिग्गज क्रिकेटर्स ने नकवी का समर्थन करते हुए कहा कि उनका ही ट्रॉफी देने का अधिकार है। साथ ही भारतीय बोर्ड के उन्होंने घमंडी कहा है। भारतीय महिला टीम ने फाइनल में श्रीलंका को 72 रनों से करारी शिकस्त देकर रिकॉर्ड आठवीं बार यह खिताब अपने नाम किया। मैच समाप्त होने के बाद जब पुरस्कार वितरण समारोह का समय आया, तो उपविजेता श्रीलंका को उनके पदक और पुरस्कार राशि प्रदान की गई। लेकिन जब विजेता टीम भारत की बारी आई, तो भारतीय खिलाड़ियों ने मंच पर जाने से साफ इनकार कर दिया। लंबे इंतजार और असमंजस की स्थिति के बाद नकवी बिना ट्रॉफी प्रदान किए ही स्टेडियम से बाहर चले गए, और भारतीय टीम बिना स्टेज पर गए वापस लौट गई। वहीं एक साल पहले पिछले पुरुष एशिया कप में भी भारतीय टीम ने उनके हाथों से ट्रॉफी लेने से हंकार किया था। किसी संस्था के प्रमुख के हाथों से ट्रॉफी ने लेना एक बड़ी बेइज्जती मानी जाती है। वहीं इस घटना पर पाकिस्तानी मीडिया और कुछ पूर्व क्रिकेटर्स की प्रतिक्रियाएं भी सामने आईं, जो पाकिस्तान की रही-सही इज्जत भी उतरती नजर आईं। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद यूसुफ ने सोशल मीडिया पर इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए नकवी की तारीफ की और भारतीय टीम को घमंडी बताया। यूसुफ ने मोहसिन नकवी के नाम का सहारा लेकर भारत के खिलाफ जहर उगलने का कोई मौका नहीं छोड़ा, जो कि उनकी पुरानी आदत रही है। ये वही मोहम्मद यूसुफ हैं, जिनका असली नाम यूसुफ योहाना था और वे ईसाई धर्म का पालन करते थे पर उन्होंने पाकिस्तान की कप्तानी पाने की चाहत में उन्होंने अपना धर्म तक बदल लिया था पर फिर भी उन्हें कप्तानी नहीं मिली।

संक्षिप्त समाचार

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने एम्स रायपुर में महाराष्ट्र सड़क हादसे के घायलों से की मुलाकात



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। महाराष्ट्र के भंडारा जिले में नागपुर-रायपुर राजमार्ग पर हुए सड़क हादसे में घायल कबीरधाम जिले के सहसपुर लोहार क्षेत्र के लोगों से उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने एम्स रायपुर पहुंचकर मुलाकात की। मंगलवार देर शाम रायपुर एम्स पहुंचे शर्मा ने घायलों और उनके परिजनों से आत्मीयता से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा उन्हें हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने एम्स के विशेषज्ञ चिकित्सकों से भी मुलाकात कर घायलों के उपचार की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकों से घायलों की वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति, चल रहे उपचार और आगे की चिकित्सा प्रक्रिया के संबंध में चर्चा की तथा सभी घायलों को बेहतर से बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने ग्राम बांधाटोला निवासी पांच वर्षीय लुक्से पटेल, दो वर्षीय डाली पटेल और 26 वर्षीय ललिता पटेल से मुलाकात कर उनका हाल जाना। मासूम बच्चों सहित हादसे में घायल लोगों और उनके परिजनों के बीच पहुंचकर शर्मा ने उन्हें ढाँढस बंधाया और कहा कि इस कठिन समय में सरकार और प्रशासन उनके साथ खड़ा है। उप मुख्यमंत्री शर्मा हादसे के बाद लगातार परिवार जनों से संपर्क बनाए हुए हैं, अस्पताल में भर्ती से लेकर घायलों के उपचार तक निरंतर संपर्क कर पीड़ित परिवारों को सहायता प्रदान कर रहे हैं।

दिवंगतों के घर पहुंचकर पहले ही जता चुके हैं संवेदना: उल्लेखनीय है कि हादसे के बाद उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कबीरधाम जिले में दुर्घटना में दिवंगत हुए पीड़ितों के घर पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की थी। उन्होंने शोककुल परिजनों से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त की थीं और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया था। इसी दौरान उन्होंने हादसे में घायल लोगों के परिजनों से भी मुलाकात कर उनके उपचार की जानकारी ली थी।

सेवा संकल्प अभियान : 'आशीर्वाद का दिया' के लिए बिहान दीदियों ने जगाई जन-अलख

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। शासकीय योजनाएं तब जन-आंदोलन का रूप लेती हैं, जब समाज का हर वर्ग उनमें अपनी सहभागिता निभाता है। बालोद जिले में सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत कुछ ऐसा ही उत्साह देखने को मिल रहा है। अभियान के अंतर्गत 17 सितंबर को आयोजित होने वाले 'आशीर्वाद का दिया' कार्यक्रम को लेकर बिहान स्व-सहायता समूह की दीदियों ने जनजागरूकता की अनूठी मिसाल पेश की है। बालोद विकासखंड की बिहान समूह से जुड़ी महिलाएं गांव-गांव और घर-घर पहुंचीं। उन्होंने ग्रामीणों से स्वेच्छा से मिट्टी के दीये और बाती एकत्र किए और परिवारों को सेवा संकल्प अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। दीदियों के आत्मीय आग्रह से ग्रामीण भी उत्साह के साथ इस पहल से जुड़े और कार्यक्रम में अपनी सहभागिता निभाने का संकल्प लिया।

दीदियों के प्रयास से गांवों में बना उसव का माहौल: बिहान समूह की मती विनीता साहू और मती रवीना साहू ने बताया कि अभियान का उद्देश्य केवल दीये एकत्र करना नहीं, बल्कि जनसेवा, सुशासन और जनभागीदारी की भावना को घर-घर तक पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि दीदियों ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए उन्हें 17 सितंबर को 'आशीर्वाद का दिया' जलाने और सेवा संकल्प अभियान में सहभागी बनने के लिए भी प्रेरित किया। दीदियों की इस पहल से गांवों में जहां उत्साह का माहौल बना है वहीं ग्रामीणों ने स्वेच्छा से मिट्टी के दीये उपलब्ध कराए और अभियान से जुड़ने की इच्छा जताई। इससे यह संदेश भी सामने आया कि जब महिलाएं जागरूकता की जिम्मेदारी अपने हाथों में लेती हैं, तो ऐसे महत्वपूर्ण अभियानों में जनभागीदारी और अधिक मजबूत होती है।

जनजागरूकता में बिहान दीदियों की सशक्त भूमिका: बिहान स्व-सहायता समूह की महिलाएं ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका गतिविधियों के साथ-साथ विभिन्न जनकर्यायकारी योजनाओं और सामाजिक अभियानों में भी सक्रिय सहभागिता निभा रही हैं।महिला सशक्तिकरण और जनभागीदारी का प्रेक्ष उदाहरण बन रही है।

नवा रायपुर में राज्य निर्वाचन आयुक्तों के 32वें अखिल भारतीय सम्मेलन का राज्यपाल रामेन डेका ने किया शुभारंभ



एवं सहभागी बनाने हेतु निर्वाचन के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया एवं कॉन्फ्रेंस में अलग-अलग राज्यों के राज्य निर्वाचन आयुक्तगण और विषय-विशेषज्ञों के द्वारा प्रस्तुतीकरण दिया । सम्मेलन के दौरान राज्य निर्वाचन आयुक्तगण द्वारा स्थानीय निकाय निर्वाचन के संचालन में सामने आने वाली चुनौतियों, अनुभवों और नवाचारों को साझा करने के क्रम में छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा 'राज्य गठन उपरांत नक्सल प्रभावित बस्तर में पिछले 25 वर्षों में स्थानीय लोकतंत्र की प्रगति' विषय पर छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह के निर्देशन में तैयार प्रस्तुति आयोग की सचिव मती शिखा राजपूत तिवारी द्वारा प्रस्तुत की गई। बस्तर में स्थानीय लोकतंत्र की यात्रा को विशेष रूप से रेखांकित किया गया। भौगोलिक दुर्गमता, विस्तृत वन क्षेत्र, सीमित संचार सुविधाओं तथा लंबे समय तक वामपंथी अग्रवाद से प्रभावित बस्तर संभाग की परिस्थितियों के बीच स्थानीय निर्वाचन कराना एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक एवं लोकतांत्रिक चुनौती रहा है। छत्तीसगढ़ में स्थानीय निकायों के निर्वाचन में अनुभवों को साझा करते हुए बताया गया कि प्रशासन, पुलिस, सुरक्षा बल, निर्वाचन कर्मियों तथा स्थानीय समुदाय के समन्वित प्रयासों से लोकतांत्रिक प्रक्रिया को निरंतर सुदृढ़ किया गया है। वर्ष 2025 में नगरीय निकायों एवं त्रिस्तरीय पंचायतों के निर्वाचन एक साथ राज्यभर में, बस्तर संभाग सहित, शांतिपूर्वक एवं सफलतापूर्वक संपन्न कराने तथा पुनर्मतदान की आवश्यकता न पड़ने का उल्लेख किया गया। मध्य प्रदेश, बिहार, राजस्थान एवं केरलम की ओर से सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग के संबंध में 'EVM sharing tracking policy and IoTs challenges and EMS SOFTWARE' Panchayat

शेरा संकल्प अभियान : पीएम विश्वकर्मा योजना से संवर रही शिल्पकारों की जिंदगी, मोहन लाल कुंभकार ने बनाए 03 हजार दीये

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी 'पीएम विश्वकर्मा योजना' पारंपरिक शिल्पकारों और कारीगरों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। बालोद जिले के ग्राम ओरमा के कुंभार मोहन लाल कुंभकार इसका प्रत्यक्ष उदाहरण हैं, जिन्होंने योजना के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने पारंपरिक हुनर को नया संकल दिया है। मोहन लाल अपने हाथों में मिट्टी के सुंदर नक्काशीदार दीये दिखाते हुए बताते हैं कि उन्होंने इस अवसर के लिए अल्प अवधि में ही लगभग 03 हजार विशेष दीये तैयार किए हैं।

'17 सितंबर को जलाएं आशीर्वाद का दिया': मोहन लाल ने देशवासीयों से अपील करते हुए कहा कि '17 सितंबर को 'आशीर्वाद का दिया' अवश्य जलाएं। मैं भी अपने घर में दिया जला रहा हूँ और आप सब भी जलाएं। जब मेरे बनाए हुए यह दीये जगमगाएंगे, तो मुझे बड़ी खुशी होगी।

योजना से मिला आर्थिक सहयोग और नई दिशा: माटीकला शिल्पकार मोहन लाल ने बताया कि 'पीएम विश्वकर्मा योजना' के तहत उन्हें दी गई ट्रेनिंग से उनके हुनर में निखार आया है। उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी को महतारी वंदन योजना सहित अन्य छत्तीसगढ़ सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का भी लाभ मिल रहा है और 'पीएम विश्वकर्मा योजना' के माध्यम से मिले सहयोग से उनकी आर्थिक स्थिति जहाँ मजबूत हुई है वहीं उन्हें आजीविका का बेहतर साधन मिला है। उन्होंने पारंपरिक कारीगरों और विश्वकर्मा समुदाय के उद्यान के लिए योजना शुरू करने पर मुक्तकंठ से प्रशंसामंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार जताते हुए अपनी प्रसन्नता व्यक्त की।

जल जीवन मिशन से बस्तर के बेसरापाल की बदली तस्वीर 111 परिवारों को मिला शुद्ध पेयजल, जल संकट से मिली स्थायी राहत



प्रहरी: बेसरापाल में जल की गुणवत्ता की निगरानी में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी भी सुनिश्चित की गई है। गांव की कृमिटकी कश्यप, उर्मिला कश्यप और सुमनी मौर्य फील्ड टेस्ट किट के माध्यम से समय-समय पर पानी के नमूनों की जांच करती हैं। इससे ग्रामीणों को मिलने वाले पेयजल की गुणवत्ता पर निरंतर निगरानी बनी रहती है।

अब पानी के लिए दूर नहीं जाना पड़ता: ग्राम की सरपंच मती उर्मिला कश्यप ने गांव में घर-घर नल से जल पहुंचने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अब ग्रामीणों को पानी के लिए कहीं दूर जाने या लाइन में लगने की जरूरत नहीं पड़ती। घर में ही पीने का साफ पानी उपलब्ध हो रहा है। उन्होंने कहा कि इससे विशेष रूप से महिलाओं को बड़ी राहत मिली है, जिन्हें पहले दूर-दराज से पानी लाने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ती थी।

आग की तपिश से ज्यादा तकलीफदेह थी गर्मी में पानी की मार, अब आंगन में बहती है नल की धार जल जीवन मिशन ने बदली अमलीपारा की तस्वीर, लोहार दम्पति सहित ग्रामीणों को अब ढोढ़ी से पानी लाने की मजबूरी नहीं



होती थी। भारत लोहार बताते हैं कि पहले गर्मी शुरू होते ही पानी की समस्या बढ़ जाती थी। घर की जरूरतों के लिए ढोढ़ी से पानी लाना पड़ता था। पानी लेने जाने में समय लगता था और कई बार काम छोड़कर पानी की व्यवस्था करनी पड़ती थी। इससे रोजी-रोटी का काम भी प्रभावित होता था। अब घर में ही नल से पानी मिलने लगा है, इसलिए पानी के लिए दूर जाने की जरूरत नहीं पड़ती। वे कहते हैं कि दिनभर लोहे को गर्म कर उसे धार देने के लिए आग के सामने बैटना पड़ता है, लेकिन गर्मी के दिनों में पानी की समस्या उससे भी ज्यादा परेशान करती थी। अब घर के आंगन में नल से पानी आता है, तो यह हमारे लिए बहुत बड़ी राहत और खुशी की बात है। घर

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रेस प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा जेगा